website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 336 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 12 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

दिल्ली विस्फोट पर एकजुटता के लिए पीएम मोदी ने जताया भूटान नरेश का आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने भूटान के चौथे नरेश के 70वें जन्मदिन समारोह के दौरान भारत के साथ एकजुटता के लिए वहां के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। दिल्ली में हुई दुःखद घटना के बाद भूटान के लोगों ने पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए एक विशेष प्रार्थना की। इस पर पीएम ने करुणा और एकजुटता के इस अप्रतिम कार्य की सराहना करते हुए कहा कि मैं इस भाव को कभी नहीं भूलूंगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "महामहिम चतुर्थ नरेश के 70वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भूटान की जनता ने एक विशेष प्रार्थना के माध्यम से दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद भारत की जनता के साथ एकजुटता दिखाई। मैं इस भाव को कभी नहीं भूलूंगा।" पीएम मोदी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर भूटान पहुंचे। उन्होंने भूटान के महामहिम चतुर्थ नरेश के 70वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया।उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "आज का दिन भूटान के लिए, भूटान के राजपरिवार के लिए और विश्व शांति में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के लिए बहुत अहम है। सदियों से भारत और भूटान का बहुत ही गहन आत्मीय और सांस्कृतिक नाता है, इसलिए इस महत्वपूर्ण अवसर पर शामिल होना भारत का और मेरा कमिटमेंट था, लेकिन आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित कर दिया है। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है।" पीएम मोदी ने कहा, "मैं रात भर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। विचार विमर्श चलता था। जानकारियों के तार जोड़े जा रहे थे। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जायेंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।"

दिल्ली कार ब्लास्ट:

केंद्रीय गृह मंत्री ने की समीक्षा बैठक, 500 से अधिक सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम गठित

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में हुए कार ब्लास्ट के मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को दोहराते हुए अमित शाह ने कहा कि इस कृत्य में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को कड़ी सजा का सामना करना पड़ेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली कार ब्लास्ट के बाद मंगलवार को शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "दिल्ली कार ब्लास्ट पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्हें इस घटना के पीछे के प्रत्येक दोषी की तलाश करने के निर्देश दिए। इस कृत्य में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को हमारी एजेंसियों की कड़ी सजा का सामना करना पड़ेगा।" बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के महानिदेशक (डीजी) सदानंद वसंत दाते शामिल हुए। इससे पहले, पीएम मोदी कड़ा संदेश दे चुके हैं कि षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने भूटान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा, "मैं कल रात भर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। विचार विमर्श चलता था। जानकारियों के तार जोड़े जा रहे थे। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।" विस्फोट की जांच के लिए 500 से अधिक सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम गठित की गई है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और प्रमुख प्रतिष्ठानों पर एनएसजी कमांडो तैनात किए गए हैं। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियां एक हजार से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही हैं। उन्हें संदेह है कि कार विस्फोट ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के इरादे से किया गया एक आत्मघाती हमला हो सकता है। जांच एजेंसियां सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी नजर रख रही हैं और दिल्ली भर के कई स्थानों से मोबाइल फोन का डंप डेटा इकट्ठा कर रही हैं।

दिल्ली कार धमाके पर मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने जताया गहरा दुःख

नई दिल्ली । भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने सोमवार शाम लाल किला के पास हुई कार विस्फोट की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने इसे "विनाशकारी त्रासदी" और "राष्ट्र के लिए असहनीय क्षति" बताया। मुख्य न्यायाधीश ने सर्वोच्च न्यायालय और पूरे न्यायिक एवं विधिक समुदाय की ओर से शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की और घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने कहा, "10 नवम्बर की शाम दिल्ली में हुई कार विस्फोट की दुखद घटना से हम सभी अत्यंत व्यथित हैं। सर्वोच्च न्यायालय और पूरे न्यायिक समुदाय की ओर से हम उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।" मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि ऐसे अपूरणीय नुकसान के दर्द को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता, लेकिन पूरे देश की एकजुटता और सहानुभूति शोकग्रस्त परिवारों को कुछ सांत्वना अवश्य देगी। उन्होंने कहा, "हमारे विचार और प्रार्थनाएँ उन सभी के साथ हैं जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं। कोई भी शब्द इस पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं कर सकता, लेकिन हमें उम्मीद है कि देश की सामूहिक संवेदना उन्हें कुछ शक्ति और साहस प्रदान करेगी।" न्याय और कानून के शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "इस दुख की घड़ी में न्यायपालिका शोकग्रस्त परिवारों के साथ खड़ी है। हम कानून के शासन को बनाए रखने और प्रत्येक नागरिक की गरिमा की रक्षा करने के अपने संकल्प को फिर से दृढ़ करते हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दे और शोकसंतप्त परिवारों को साहस प्रदान करे।" इस घटना के बाद दिल्ली पुलिस, एनआईए और फोरेंसिक टीमें जांच में जुटी हैं। धमाके के कारणों की गहन जांच की जा रही है।

चुनावी राज्य बिहार में हाई अलर्ट, पटना जंक्शन पर एटीएस की निगरानी

पटना । दिल्ली में लाल किले के नजदीक सोमवार को हुए विस्फोट के बाद कई राज्यों ने अपने यहां अलर्ट जारी कर दिया है। लाल किले के नजदीक मेट्रो स्टेशन गेट नंबर-1 के पास खड़ी एक कार में हुए भीषण बम विस्फोट के बाद चुनावी राज्य बिहार में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया है।

यह घटना सोमवार की शाम को घटी, जिसमें आसपास की कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं और कई लोग घायल या मारे गए

यह घटना सोमवार की शाम में हुई, जिसमें आसपास की गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं और कई लोग मारे गए तथा घायल हुए। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया है, खासकर बिहार में, जहां विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान आज 11 नवंबर को होना है। बिहार पुलिस मुख्यालय ने तुरंत राज्यव्यापी हाई अलर्ट जारी कर दिया और आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) सहित सभी सुरक्षा एजेंसियों को सक्रिय कर दिया।

एटीएस डीआईजी ने सभी एसएसपी और रेल पुलिस को चुनावी माहौल में सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं

पुलिस उप-महानिरीक्षक, एटीएस बिहार द्वारा जारी थ्रेट एडवाइजरी में सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और रेल पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि चुनावी माहौल में किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए सतर्कता बरती जाए।

एडवाइजरी में भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों व स्थलों पर सघन निगरानी, गश्त, सीसीटीवी, चेकपॉइंट व संदिग्ध गतिविधियों पर कार्रवाई शामिल है

एडवाइजरी में 10 प्रमुख बिंदु उल्लेखित हैं, जिनमें धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों, भीड़ भाड़ वाले बाजारों, रेलवे-मेट्रो स्टेशनों, बड़े प्रशासनिक भवनों और सैन्य छावनियों पर सघन चेकिंग; पुलिस गश्त बढ़ाना; सीसीटीवी की 24 घंटे मॉनिटरिंग; बस अड्डों, मॉलों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष अभियान; सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकपॉइंट मजबूत करना; संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों या परित्यक्त वस्तुओं पर त्वरित कार्रवाई शामिल हैं।

सुरक्षा एजेंसियों से समन्वय, स्थानीय समितियों व ग्रुप सक्रिय करना, सूचना साझा करना और सोशल मीडिया अफवाहों पर कार्रवाई शामिल है

इनके अलावा सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय, शांति समितियों और व्हाट्सएप ग्रुपों को सक्रिय करना, आसूचना संकलन और साझा करना और सोशल मीडिया पर अफवाहों की निगरानी और फैलाने वालों पर कानूनी कार्रवाई शामिल है।

राजधानी पटना में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट, पटना जंक्शन पर एटीएस, जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीमों ने सघन तलाशी अभियान शुरू किया

राजधानी पटना में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हैं। पटना जंक्शन पर एटीएस, जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीमों ने सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। यात्रियों के सामान की जांच के लिए डॉग स्क्वाड और बम डिस्पोजल स्क्वाड तैनात किए गए हैं। हर आने-जाने वाले यात्री की बॉडी चेकिंग हो रही है और संदिग्धों से गहन पूछताछ की जा रही है। स्टेशन परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है। इसी तरह मीठापुर बस स्टैंड, गांधी मैदान, बोरिंग रोड चौराहा और प्रमुख बाजारों में चेकिंग जोरों पर है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को धार्मिक स्थलों, मॉलों, सिनेमाघरों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा कड़ी करने के आदेश दिए हैं।

भारत पारंपरिक चिकित्सा को नई ऊंचाई देने की दिशा में अग्रसर

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि भारत पारंपरिक चिकित्सा (Traditional Medicine) के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहा है। देश इस दिशा में मजबूत शोध, वैश्विक सहयोग और गुणवत्ता व सुरक्षा के उच्च मानक स्थापित कर रहा है। मंत्री ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, बल्कि यह सामुदायिक ज्ञान और मानवता की प्राकृतिक स्वास्थ्य समझ का भी खजाना है। आज दुनिया फिर से परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के संयोजन को महत्व दे रही है। उन्होंने बताया कि भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और जामनगर स्थित WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन के साथ मिलकर शोध को मजबूत करने, गुणवत्ता और सुरक्षा मानक बढ़ाने, तथा पारंपरिक चिकित्सा के लाभ सभी तक पहुँचाने पर काम कर रहा है। आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ ने मिलकर 'दूसरे WHO ग्लोबल समिट ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन' से पहले नई दिल्ली में राजदूतों के लिए एक विशेष स्वागत समारोह आयोजित किया। यह समिट 17 से 19 दिसम्बर तक नई दिल्ली में होने वाला है। इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों और प्रतिनिधियों को समिट के उद्देश्यों और पारंपरिक चिकित्सा के वैश्विक महत्व के बारे में जानकारी दी गई। वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय ने कहा कि भारत, डब्ल्यूएचओ और अन्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर शोध, गुणवत्ता नियंत्रण और मानकीकरण पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, "हमें विश्वास है कि यह वैश्विक संवाद पारंपरिक चिकित्सा में सार्थक अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देगा।" डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह, जो डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की रीजनल डायरेक्टर एमेरिटस और पारंपरिक चिकित्सा की वरिष्ठ सलाहकार हैं, ने कहा, "पारंपरिक चिकित्सा 'सभी के लिए स्वास्थ्य' (Health for All) हासिल करने का अहम हिस्सा है।" डब्ल्यूएचओ के अनुसार, 170 से अधिक सदस्य देशों में पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग हो रहा है, और यह क्षेत्र पहले से कहीं ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजदूत सिबी जॉर्ज, सचिव (पश्चिम), विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत पारंपरिक चिकित्सा के वैश्विक ढांचे को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहा है। वहीं, डॉ. श्यामा कुरुविला, निदेशक, WHO ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर, ने कहा कि यह समिट लोगों और प्रकृति के बीच संतुलन बहाल करने की वैश्विक मुहिम को आगे बढ़ाने का उद्देश्य रखती है, जो पारंपरिक चिकित्सा के विज्ञान और अभ्यास पर आधारित है।

जन औषधि केंद्रों की संख्या 10,000 के पार: स्वास्थ्य सेवाओं में नया मील का पत्थर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को जानकारी दी कि देशभर में जन औषधि केंद्रों की संख्या अब 10,000 के पार पहुंच चुकी है। ये केंद्र गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को किफायती दरों पर जेनेरिक दवाइयां और सैनिटरी प्रोडक्ट्स उपलब्ध करवाने का अहम जरिया बन चुके हैं। गोयल ने कहा कि इस पहल से ग्रामीण इलाकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वे 22वें सीआईआई एनुअल हेल्थ समिट को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने बताया कि सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कई बड़े सुधारात्मक कदम उठाए हैं। इनमें हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर शून्य करना, मेडिकल डिवाइस, कैंसर दवाओं और आवश्यक दवाओं पर शुल्क कम करना जैसे निर्णय शामिल हैं, जिनसे आम लोगों को राहत मिली है और स्वास्थ्य उद्योग को नई ऊर्जा मिली है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार, मेडिकल प्रोफेशनल्स और हेल्थकेयर इंडस्ट्री के सामूहिक प्रयास भारत को वैश्विक स्तर पर चिकित्सा और वेलनेस के पसंदीदा गंतव्य (Global Medical Destination) के रूप में स्थापित करने में मदद करेंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि दुनिया के कई देशों में लोगों को इलाज के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता है, जबकि भारत में न केवल इलाज सस्ता है बल्कि तेजी से उपचार की सुविधा भी उपलब्ध है। ऐसे में भारत स्वास्थ्य पर्यटन का वैश्विक केंद्र बन सकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता लगभग तैयार: ट्रंप बोले, जल्द होंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौता लगभग तैयार है और जल्द ही उस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी भारत में अमेरिका के अगले राजदूत सर्जियो गोर के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान की। उन्होंने कहा, "हम भारत के साथ एक नया समझौता कर रहे हैं, जो पहले से अलग होगा। इस बार दोनों देशों को बराबरी का लाभ मिलेगा। समझौते पर बात लगभग पूरी हो चुकी है और यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद रहेगा।" ट्रंप ने कहा कि उनकी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आपस में बहुत अच्छी समझ है। उन्होंने भारत को अमेरिका का बेहद महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय साझेदार बताया। ट्रंप ने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि सर्जियो गोर भारत और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेंगे। भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक का घर है, दुनिया का सबसे बड़ा देश... हमारे प्रधानमंत्री मोदी के साथ शानदार संबंध हैं और सर्जियो ने इसे और भी बेहतर बनाया है, क्योंकि वह पहले से ही प्रधानमंत्री के साथ दोस्ताना संबंध बना चुके हैं।" सर्जियो गोर को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शपथ दिलाई। इस मौके पर विदेश मंत्री मार्को रुबियो और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट भी मौजूद थे। ट्रंप ने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि भारत तेज़ी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा साझेदार है। उपराष्ट्रपति वेंस ने भी गोर को बधाई देते हुए कहा कि वे और राष्ट्रपति ट्रंप, दोनों भारत को बहुत पसंद करते हैं। सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति ट्रंप का धन्यवाद किया और कहा कि वे भारत-अमेरिका रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में पूरी मेहनत से काम करेंगे। उन्होंने कहा, "मैं कई वर्षों से आपके साथ हूं और आगे भी रहूंगा। यह मेरे लिए एक अविश्वसनीय सम्मान की बात है और मैं दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।" 38 वर्ष के सर्जियो गोर इस पद पर नियुक्त होने वाले अब तक के सबसे युवा अमेरिकी राजदूत हैं और लंबे समय से ट्रंप के करीबी सहयोगी रहे हैं।

दूसरे चरण के मतदान के बीच जदयू कार्यालय पहुंचे सीएम नीतीश कुमार

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए जारी मतदान के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू कार्यालय पहुंचे। नीतीश कुमार के साथ बिहार सरकार में मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद थे। सीएम ने इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत की और कार्यकर्ताओं का चुनाव में कठिन परिश्रम के लिए आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव में सक्रिय सभी साथियों के परिश्रम और समर्पण के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया

सीएम ने इस बैठक के बाद जदयू की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा, "हर कदम विश्वास का, हर कदम विकास का। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू प्रदेश कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव में सक्रिय सभी साथियों के परिश्रम और समर्पण के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।"

हर क्षेत्र में एनडीए के पक्ष में मतदान हो रहा है, इस चरण में भी उत्साह देखने को मिल रहा है

बिहार सरकार में मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि जदयू कार्यालय में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं जायजा लेने के लिए पहुंचे हैं। साथ में हम लोग भी हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं से जो सूचना मिल रही है, वो संतोषजनक है। हर क्षेत्र में एनडीए के पक्ष में मतदान हो रहा है, इस चरण में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान हुआ, दूसरे चरण में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। अच्छी बात है कि घरों से बाहर निकलकर बड़ी तादाद में महिलाएं वोट कर रही हैं।

शपथ लेने से कोई किसी को नहीं रोक सकता है, लेकिन बिहार के राज्यपाल नीतीश कुमार को ही शपथ दिलाएंगे

राजद नेता तेजस्वी यादव के शपथ लेने वाले बयान पर उन्होंने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि शपथ लेने से कोई किसी को नहीं रोक सकता है, लेकिन बिहार के राज्यपाल नीतीश कुमार को ही शपथ दिलाएंगे। वे ही अगले मुख्यमंत्री बनेंगे। संभावित हार देखकर वे बौखला गए हैं।

बिहार के सम्मानित मतदाताओं से विनम्र आग्रह है कि विकसित और समृद्ध बिहार के सपनों को साकार करने के लिए अधिक से अधिक मतदान करें

जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि पहले मतदान-फिर जलपान आपका हर वोट हो, सुशासन के नाम बिहार के सभी सम्मानित मतदाताओं से विनम्र आग्रह है कि विकसित और समृद्ध बिहार के सपनों को साकार करने के लिए अधिक से अधिक मतदान करें। लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराकर बिहार की प्रगति और सुशासन की निरंतरता में अपना अमूल्य योगदान दें।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

आतंकियों के स्थानीय मददगारों को नेस्तनाबूद करना ही स्थायी समाधान का रास्ता

किसी भी समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है जब उसकी जड़ को पूरी तरह उखाड़ फेंका जाए। आतंकवाद भी ऐसी ही एक जड़ है, जो दशकों से देश की एकता, शांति और विकास में बाधा बनी हुई है। जब तक आतंकवाद को पनाह देने वाले, उसे फंडिंग करने वाले और उसके स्थानीय मददगार सक्रिय रहेंगे, तब तक आतंकवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। इसलिए आतंकियों के साथ-साथ उनके स्थानीय सहयोगियों को नेस्तनाबूद करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। हमारी सेना और सुरक्षा एजेंसियां इस दिशा में लगातार निर्णायक कदम उठा रही हैं। एक ओर जहां हमारी सेना सीमाओं पर दुश्मन देशों की घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम कर रही है, वहीं दूसरी ओर देश के भीतर आतंक फैलाने की साजिशों को नाकाम करने के लिए आंतरिक सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हैं। हाल ही में गुजरात एटीएस और केंद्रीय जांच एजेंसियों की संयुक्त कार्रवाई इसका एक बड़ा उदाहरण है। इन एजेंसियों ने मिलकर इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से जुड़े तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है, जो देश के अलग-अलग हिस्सों में बड़े आतंकी हमलों की साजिश रच रहे थे। इन गिरफ्तारियों ने एक बार फिर साबित किया है कि हमारे सुरक्षा बल न सिर्फ सीमाओं पर बल्कि देश के हर कोने में आतंकवाद के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए हैं। आईएसआईएस से जुड़े इन आतंकियों का नेटवर्क भारत में सक्रिय कुछ ऐसे लोगों से भी जुड़ा पाया गया, जो सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों के जरिए युवाओं को बरगलाने की कोशिश कर रहे थे। इनका मकसद भारत की शांति और एकता को तोड़ना, सांप्रदायिक तनाव फैलाना और देश की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाना था। यह पहली बार नहीं है जब गुजरात एटीएस ने ऐसी बड़ी कार्रवाई की हो। इससे पहले भी राज्य में अलकायदा से जुड़े चार संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि ये लोग न केवल नकली करेंसी बाजार में उतारने की साजिश रच रहे थे बल्कि बेरोजगारी और धार्मिक कट्टरता का फायदा उठाकर युवाओं को आतंक के रास्ते पर ले जाने की कोशिश में थे। इन घटनाओं से यह साफ होता है कि आतंकवाद की असली ताकत वे लोग हैं जो पर्दे के पीछे रहकर आतंकियों को सहयोग देते हैं। कभी वे उन्हें आर्थिक मदद पहुंचाते हैं, कभी सुरक्षित ठिकाना देते हैं और कभी अपने राजनीतिक या सामाजिक प्रभाव का दुरुपयोग कर उन्हें बचाने की कोशिश करते हैं। ऐसे तत्व देश के दुश्मनों से कम नहीं हैं। इनके खिलाफ वैसी ही सख्त कार्रवाई जरूरी है जैसी आतंकियों के खिलाफ की जाती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ सुरक्षा बलों की नहीं बल्कि पूरे देश की लड़ाई है। जब तक समाज के लोग जागरूक नहीं होंगे, जब तक हर नागरिक अपने आस-पास संदिग्ध गतिविधियों पर नजर नहीं रखेगा, तब तक आतंकवाद के खिलाफ जीत अधूरी रहेगी।

पीजी में जीरो परसेंटाइल: समस्या सीटों की गिनती नहीं, कॅरियर-संरचना और सम्मान के वितरण की है

-'जीरो परसेंटाइल' का अर्थ – सीटें भरना या नींव कमजोर करना?

नीट पीजी का रिज़ल्ट आते ही एक जूनियर डॉक्टर ने फोन किया। आवाज़ में घबराहट थी—
"बॉस, रैंक तो ठीक है, पर दिक्कत ये है कि मुझे पैथोलॉजी मिल रही है। घरवाले कह रहे हैं— डॉक्टर वही जो मरीज देखे, रिपोर्ट नहीं।"
उसकी बात सुनकर मुझे वो हर मेडिकल छात्र याद आया, जो एमबीबीएस के बाद 'क्लिनिकल बनाम नॉन-क्लिनिकल' की इस अदृश्य दीवार से टकराता है।
उसी शाम ओपीडी से लौटते वक्त मैंने एक मरीज की लैब रिपोर्ट देखी— हीमोग्लोबिन कम, सोडियम घटा हुआ, शुगर बढ़ी हुई। रिपोर्ट के नीचे लिखा था "Verified by Dr. XYZ" — वही पैथोलॉजिस्ट जिसे आधा समाज "डॉक्टर" मानने को तैयार नहीं। उस पल फिर से एहसास हुआ कि मेडिकल शिक्षा में असली लड़ाई सीटों की नहीं, बल्कि सम्मान की है। यह वह व्यवस्था है जो तय करती है कि कौन-सा डॉक्टर 'दिखाई देगा' और कौन 'अदृश्य' रह जाएगा।

भारत में डॉक्टर बनने की लंबी सीढ़ी

भारत में डॉक्टर बनने का रास्ता कोई एक परीक्षा नहीं, बल्कि एक लंबी, कठिन और खर्चीली सीढ़ी है।
पहली पायदान होती है – 11वीं में बायोलॉजी चुनना, दूसरी – नीट यूजी पास करना, तीसरी – साढ़े पांच साल का एमबीबीएस कोर्स, और चौथी – नीट पीजी, जो तय करता है कि अब आप किस तरह के डॉक्टर बनेंगे। एमबीबीएस के बाद यही रास्ता दो हिस्सों में बंट जाता है— क्लिनिकल ब्रांचें – जैसे मेडिसिन, सर्जरी, गायनेकोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, डर्मेटोलॉजी आदि, जहां डॉक्टर सीधे मरीज देखते हैं। नॉन-क्लिनिकल या पैरा-क्लिनिकल ब्रांचें – जैसे पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, एनाटॉमी, कम्युनिटी मेडिसिन आदि, जो मरीजों के पीछे की विज्ञान की रीढ़ हैं। समस्या यहीं से शुरू होती है — सीटें तो दोनों जगह भरती हैं, लेकिन सम्मान, अवसर और वेतन बराबर नहीं बंटते।

क्लिनिकल और नॉन-क्लिनिकल की खाई

क्लिनिकल डॉक्टर: "फ्रंट पेज" पर छपने वाले मरीज इन्हीं से मिलते हैं, इन्हें ही "डॉक्टर साहब" कहा जाता है। हॉस्पिटल की प्रतिष्ठा, मीडिया की सुर्खियाँ और समाज की इज़्ज़त इन पर केंद्रित होती है।
नॉन-क्लिनिकल डॉक्टर: "रीढ़" जो दिखाई नहीं देती इन्हीं के बनाए स्लाइड्स पर कैंसर का पता चलता है, इन्हीं की बनाई रिपोर्ट से सर्जन ऑपरेशन की योजना बनाता है, इन्हीं की खोजों से वैक्सीन और दवाएँ बनती हैं। फिर भी समाज में इनकी पहचान "रिपोर्ट देखने वाले" या "टीचर" के रूप में सीमित कर दी गई है। यही अदृश्यता की बीमारी मेडिकल शिक्षा को अंदर से कमजोर कर रही है।

जीरो परसेंटाइल का मतलब क्या है?

हाल के वर्षों में मेडिकल पीजी एडमिशन में कुछ नॉन-क्लिनिकल ब्रांचों के लिए कटऑफ जीरो परसेंटाइल तक गिरा दी गई। इसका मतलब यह हुआ कि – "कोई भी जिसने परीक्षा दी है, वह पात्र है।" सरकार या मेडिकल काउंसिल का तर्क है कि सीटें खाली न रहें, इसलिए न्यूनतम योग्यता हटा दी गई। लेकिन असली सवाल यह नहीं कि सीटें भरें या न भरें, बल्कि यह कि – क्या हम उस नींव को कमजोर कर रहे हैं जिस पर पूरी चिकित्सा व्यवस्था टिकी है?

नींव की कहानी: मेडिकल शिक्षा के पहले दो साल

एमबीबीएस के पहले दो साल में जो विषय पढ़ाए जाते हैं, वही भविष्य के डॉक्टर की सोच और समझ बनाते हैं।

वर्ष विषय उद्देश्य

पहला सालएनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री शरीर को समझना
दूसरा सालपैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी बीमारी, संक्रमण और दवा को समझना
इन छह विषयों पर ही पूरी डॉक्टरी टिकती है। अगर इन्हीं में दाखिले "जीरो परसेंटाइल" पर होने लगें, तो यह सीट भरने का नहीं, ज्ञान की रीढ़ तोड़ने जैसा है। क्योंकि यही वे डॉक्टर हैं जो अगले बैच को पढ़ाएंगे, प्रयोगशालाएँ चलाएंगे और हेल्थ रिसर्च को दिशा देंगे।

जब 'सम्मान' पैमाना बन जाता है

डॉक्टरों के बीच यह असमानता इतनी गहरी है कि एमबीबीएस के दौरान ही स्टूडेंट्स को समझा दिया जाता है— "क्लिनिकल ब्रांच लो तो जिंदगी बन जाएगी, वरना बस पढ़ाते रह जाना।" कई बार परिवार और समाज भी यही दबाव डालते हैं। शादी के रिश्तों तक में पूछा जाता है – "कौन-सी ब्रांच है?" अगर जवाब आता है "एनाटॉमी या माइक्रोबायोलॉजी", तो चेहरा फीका पड़ जाता है। इस सामाजिक भेदभाव का असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता है। जो स्टूडेंट रिसर्च या लैब के काम में अच्छे हो सकते हैं, वे भी मजबूरी में क्लिनिकल ब्रांच की होड़ में शामिल हो जाते हैं। इस तरह देश को कम शोधकर्ता और कमजोर शिक्षक मिलते हैं।

सीटों की गिनती नहीं, कॅरियर-संरचना की समस्या

सरकार और मेडिकल काउंसिल हर साल कहती है कि भारत में "डॉक्टरों की कमी" है। पर असल कमी सिर्फ संख्या की नहीं, संतुलन की है।

स्तर वास्तविक कमी

प्राइमरी केयर डॉक्टर हैं, पर ग्रामीण इलाकों में नहीं जाते
स्पेशियलिटी शहरों में भी कुछ ब्रांचों में भीड़, कुछ में खाली सीटें
शिक्षक मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर की भारी कमी
रिसर्च शोध कार्य करने वाले डॉक्टर बहुत कम
इस असंतुलन की जड़ वही "सम्मान-आधारित व्यवस्था" है, जिसने ब्रांचों को ऊँच-नीच में बाँट दिया।

नॉन-क्लिनिकल ब्रांचें: अदृश्य लेकिन अपरिहार्य

पैथोलॉजी – बीमारियों की भाषा: रक्त, ऊतक और द्रवों की जांच से बीमारी का असली चेहरा पहचानने वाला विज्ञान। हर सर्जन की सफलता एक पैथोलॉजिस्ट की सटीक रिपोर्ट पर निर्भर है।
माइक्रोबायोलॉजी – संक्रमण की चौकीदारी: बैक्टीरिया, वायरस, फंगस – ये सब जो इंसान को बीमार बनाते हैं, उनकी पहचान और रोकथाम का ज्ञान यही सिखाती है।
COVID-19 के दौरान दुनिया ने देखा कि माइक्रोबायोलॉजिस्ट ही असली "वारियर्स" थे।
फार्माकोलॉजी – दवाओं का विज्ञान
कौन-सी दवा किस मात्रा में देनी है, साइड इफेक्ट क्या होगा, कौन-सी नई दवा विकसित हो रही है — यह सब फार्माकोलॉजी तय करती है।
एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री – शिक्षा की जड़ें?: इन विषयों के बिना एमबीबीएस का पहला साल अधूरा है।
जो छात्र इन विषयों में प्रोफेसर बनते हैं, वही आने वाली पीढ़ियों को शरीर और विज्ञान की भाषा सिखाते हैं। अगर ये ब्रांचें 'जीरो परसेंटाइल' पर भरनी पड़ें, तो यह सीधा संदेश है कि हम खुद अपनी जड़ों को खोखला कर रहे हैं।
मेडिकल शिक्षा में 'क्वालिटी वर्सेज क्वांटिटी' का संकट
सरकार की नज़र में "खाली सीटें" समस्या हैं। लेकिन हकीकत में समस्या सीटें भरना नहीं, बल्कि क्वालिटी बनाए रखना है। एक कमजोर आधार वाला डॉक्टर सिर्फ अपनी नहीं, समाज की सेहत को खतरे में डाल सकता है।
क्वालिटी का मतलब है –
सही चयन प्रक्रिया
अच्छी फैकल्टी
रिसर्च कल्चर
और समान सम्मान
अगर इनमें से कोई भी कड़ी कमजोर होती है, तो पूरी चिकित्सा-श्रृंखला चरमराने लगती है।
फैकल्टी और शिक्षा की गिरती साख
कई नॉन-क्लिनिकल विभागों में प्रोफेसर की कमी 50% से अधिक है। जो शिक्षक हैं, उन्हें न वेतन बराबर मिलता है, न इज़्ज़त। कई कॉलेजों में "गेस्ट फैकल्टी" से काम चलाया जाता है, जिससे शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है।

"संतुलन की कसौटी पर जोहरान ममदानी: अमरीकी राजनीति में दक्षिण एशियाई प्रभाव का नया अध्याय"

-न्यूयॉर्क के मेयर पद तक पहुँचे भारतीय मूल के जोहरान ममदानी

अमरीकी राजनीति में हाल के वर्षों में जिस तरह की वैचारिक विविधता और सामाजिक प्रतिनिधित्व देखने को मिला है, वह विश्व राजनीति में एक नए अध्याय का संकेत देता है। इसी क्रम में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद पर भारतीय मूल के जोहरान ममदानी का चुनाव न सिर्फ अमरीका की राजनीतिक दिशा में एक बड़ा मोड़ है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण भी है कि वैश्वीकरण के इस युग में पहचान, मूल और पृष्ठभूमि से ज़्यादा अहमियत अब विचारों और जनहित की नीतियों को मिलने लगी है। ममदानी की जीत को समझने के लिए इसे केवल चुनावी परिणाम के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह उस व्यापक सामाजिक परिवर्तन का हिस्सा है जो अमरीका जैसे पश्चिमी राष्ट्रों में धीरे-धीरे लेकिन स्थायी रूप से आकार ले रहा है — एक ऐसा परिवर्तन जो बहुसांस्कृतिकता (multiculturalism), सामाजिक न्याय (social justice) और आर्थिक समानता (economic equity) जैसे मूलभूत सिद्धांतों को पुनः केंद्र में ला रहा है।

दक्षिण एशियाई प्रभाव का नया अध्याय

अमरीकी राजनीति में दक्षिण एशियाई समुदाय का प्रभाव पिछले दो दशकों में निरंतर बढ़ा है। कमला हैरिस के उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचने के बाद अब जोहरान ममदानी का न्यूयॉर्क जैसे विश्व-प्रसिद्ध महानगर का नेतृत्व संभालना इस प्रभाव की गहराई को और मज़बूत करता है। ममदानी न सिर्फ भारतीय मूल के हैं, बल्कि उनकी पृष्ठभूमि एक बौद्धिक और सामाजिक सक्रियता से जुड़ी रही है। उनके पिता प्रसिद्ध फिल्मकार और लेखक मीर ममदानी हैं, जबकि माता समीरा ममदानी सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जानी जाती हैं। इस पृष्ठभूमि ने उन्हें बचपन से ही सामाजिक असमानताओं, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक विषमताओं के प्रति संवेदनशील बनाया। उनका चुनाव इस बात का संकेत है कि अमरीका के शहरी मतदाता अब सिर्फ जातीय या पारंपरिक विचारधारा पर आधारित राजनीति से आगे बढ़ चुके हैं। वे ऐसे नेताओं को तरजीह दे रहे हैं जो उनके रोज़मर्रा के मुद्दों — जैसे आवास, परिवहन, रोजगार और जीवनयापन की बढ़ती लागत — पर वास्तविक समाधान प्रस्तुत करें।

बहुसांस्कृतिकता और परिवर्तनशील दृष्टिकोण

पश्चिमी देशों में पिछले कुछ वर्षों से अतिराष्ट्रवाद (ultra-nationalism) और सांस्कृतिक असहिष्णुता का रुझान बढ़ता दिखा है। ब्रेक्ज़िट से लेकर ट्रंपवाद (Trumpism) तक, यह प्रवृत्ति "हम बनाम वे" के खतरे को जन्म देती रही है। ऐसे माहौल में ममदानी जैसे दक्षिण एशियाई मूल के नेता का न्यूयॉर्क के शीर्ष पद पर पहुंचना इस बात का सबूत है कि अमरीकी समाज अब भी अपनी लोकतांत्रिक आत्मा से जुड़ा हुआ है — एक ऐसी आत्मा जो विविधता को स्वीकार करती है और सह-अस्तित्व में विश्वास रखती है। यह घटना केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि उस सामूहिक चेतना का उत्सव है जो यह मानती है कि किसी का रंग, धर्म या मूलस्थान उसकी योग्यता या नेतृत्व क्षमता का पैमाना नहीं होना चाहिए।

भारतीय प्रवासी समाज का गौरव और अवसर

निसंदेह ही ममदानी की यह जीत भारतीय मूल के प्रवासी समाज के लिए गौरव का विषय है। अमरीका में बसे भारतीय मूल के नागरिक पिछले कई दशकों से विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, व्यवसाय और राजनीति के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुके हैं। ममदानी की सफलता भारत-अमरीका संबंधों को भी एक नई दृष्टि प्रदान करती है। अब तक ये संबंध मुख्यतः रणनीतिक और आर्थिक स्तर पर देखे जाते रहे हैं, लेकिन इस तरह की राजनीतिक उपलब्धियाँ उन्हें एक "मानवीय" और "सांस्कृतिक" गहराई देती हैं। यह भारत-अमरीका के बीच एक ऐसा नया पुल है जो सरकारों से ज़्यादा जनता के दिलों को जोड़ता है।

प्रगतिशील विचारधारा का उभार

ममदानी न्यूयॉर्क की "प्रगतिशील धारा" (progressive wing) के प्रतिनिधि माने जाते हैं। वे किराया नियंत्रण (rent control), मुफ्त सार्वजनिक परिवहन (free public transit), नस्लीय न्याय (racial justice) और आर्थिक समानता जैसे मुद्दों पर मुखर रहे हैं। उनका चुनाव इस बात का प्रमाण है कि अमरीका के मतदाता अब पारंपरिक केंद्रवादी राजनीति से हटकर उन नेताओं की तरफ झुकाव दिखा रहे हैं जो सामाजिक-आर्थिक सुधारों के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण रखते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर भी यह जीत एक नए समीकरण की ओर संकेत करती है, जहाँ पार्टी को अब अपने "मॉडरेट" और "प्रोग्रेसिव" धड़ों के बीच संतुलन साधना होगा। ममदानी की विचारधारा बर्नी सैंडर्स और अलेक्ज़ेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज़ जैसी शख्सियतों से मेल खाती है, जो पूँजीवादी मॉडल के अतिरेक के खिलाफ आवाज़ उठाते हैं। वे इस विचार के प्रतीक हैं कि विकास का अर्थ सिर्फ जीडीपी की वृद्धि नहीं, बल्कि समाज के हर तबके की समान भागीदारी और सुरक्षा भी है।

युवा नेतृत्व और शहरी जनादेश का संदेश

न्यूयॉर्क सिटी को दुनिया के सबसे जटिल शहरी तंत्रों में गिना जाता है। यह शहर विविधताओं का संगम है — नस्लीय, धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सभी दृष्टियों से। ऐसे शहर के मेयर के रूप में ममदानी का चयन इस बात को दर्शाता है कि जनता अब ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो सैद्धांतिक नहीं, व्यावहारिक हो; जो भाषणों में नहीं, नीतियों में परिवर्तन ला सके। ममदानी का अभियान इस दृष्टि से अनूठा था कि उन्होंने अपनी जमीनी छवि को ही अपनी ताक़त बनाया। वे अमीर चंदों या बड़ी कंपनियों के समर्थन पर निर्भर नहीं रहे, बल्कि उन्होंने "ग्रासरूट्स कैंपेनिंग" के ज़रिए आम लोगों के मुद्दों को केंद्र में रखा। यही कारण है कि युवाओं, मजदूर वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों का बड़ा वर्ग उनके साथ जुड़ा।

नीतिगत चुनौतियाँ और व्यावहारिक कठिनाइयाँ

हालाँकि, ममदानी की जीत जितनी ऐतिहासिक है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी। उनके सामने अब वे सवाल खड़े हैं जो हर प्रगतिशील नेता के सामने होते हैं — वादों को हकीकत में बदलने का। किराया नियंत्रण नीति: न्यूयॉर्क में आवास संकट लंबे समय से एक गंभीर समस्या रही है।

"सार्वजनिक परिवहन में बढ़ता प्रदूषण: सुविधा की रफ्तार में दम तोड़ती पर्यावरणीय संवेदना"

-पर्यावरण के प्रति लापरवाही: संस्थागत असंवेदनशीलता

विश्व के सामने पर्यावरणीय संकट कोई नया विषय नहीं है। पिछले कई दशकों से हर साल कोई न कोई देश जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक सम्मेलन आयोजित करता है, जहां तमाम देश अपनी-अपनी रिपोर्टें, संकल्प और नीतियां प्रस्तुत करते हैं। इस क्रम की शुरुआत आज से लगभग तीस वर्ष पहले जर्मनी के बर्लिन शहर से हुई थी। उस समय से लेकर अब तक हर सम्मेलन में एक ही विषय चर्चा के केंद्र में रहा है – प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय। इस बार यह सम्मेलन ब्राज़ील के बेलम शहर में 10 नवंबर से शुरू होकर पूरे पखवाड़े चलेगा। इसमें सैकड़ों देशों के प्रतिनिधि, पर्यावरणविद, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता भाग लेंगे। मगर सवाल यह है कि क्या इतने वर्षों में इन सम्मेलनों से धरती का तापमान घटा? क्या प्रदूषण का स्तर कम हुआ? दुर्भाग्य से जवाब "नहीं" है। इन सम्मेलनों में चर्चा अधिक होती है, पर ठोस परिणाम बहुत कम दिखाई देते हैं। हर बार बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, पर प्रदूषण फैलाने वाले कारक लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यह स्थिति बताती है कि जलवायु सम्मेलन कहीं न कहीं "औपचारिकता" में बदलते जा रहे हैं, जिनसे न तो धरती की सेहत सुधर रही है, न ही इंसानी व्यवहार में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन आ रहा है।

परिवहन संसाधन: सुविधा के साथ प्रदूषण का विस्तार

अगर हम प्रदूषण के प्रमुख कारणों की बात करें तो औद्योगिक अपशिष्ट, कोयला आधारित ऊर्जा उत्पादन, और कृषि अवशेष जलाने के अलावा एक बड़ा कारक परिवहन क्षेत्र भी है। सड़क, रेल और हवाई परिवहन — सभी मिलकर पर्यावरण पर गहरा प्रभाव डालते हैं। यह सच है कि सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था निजी वाहनों की तुलना में अपेक्षाकृत पर्यावरण-मित्र कही जाती है, क्योंकि यह एक साथ बड़ी संख्या में लोगों को ले जाने का माध्यम है। लेकिन विडंबना यह है कि अब यही सार्वजनिक परिवहन संसाधन भी अनियंत्रित रूप से प्रदूषण के स्रोत बनते जा रहे हैं। रेल हो या हवाई जहाज — दोनों ही अब ऐसे स्तर पर पहुंच चुके हैं जहां यात्रियों की सुविधा, विलासिता और तकनीकी उन्नयन के नाम पर ऊर्जा की खपत और अपशिष्ट उत्सर्जन तेजी से बढ़ रहा है।

हवाई यात्रा: तेजी से बढ़ता कार्बन फुटप्रिंट

भारत सहित पूरी दुनिया में हवाई यात्रा को 'आधुनिक विकास' का प्रतीक माना जाता है। परंतु इस चमकदार क्षेत्र के पीछे एक गहरा कार्बन साया है। आंकड़ों के अनुसार, बीते 10 वर्षों में भारत में हवाई यात्रियों की संख्या लगभग ढाई गुना बढ़कर 24 करोड़ यात्रियों प्रतिवर्ष तक पहुंच गई है। यह वृद्धि सिर्फ यातायात की सुविधा का संकेत नहीं, बल्कि ईंधन की खपत और उत्सर्जन में अभूतपूर्व वृद्धि का भी प्रतीक है। एक अनुमान के अनुसार, एक किलोमीटर की हवाई यात्रा प्रति यात्री लगभग 285 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड (CO□) वातावरण में छोड़ती है। यदि हम भारत की वार्षिक 24 करोड़ यात्राओं का औसत दूरी से गुणा करें, तो यह उत्सर्जन अरबों टन में पहुंच जाता है। इसके अलावा, हवाई अड्डों पर प्रयुक्त प्लास्टिक, पैकेजिंग सामग्री, भोजन के अपशिष्ट, एयर-कंडीशनिंग और रोशनी की खपत से भी भारी मात्रा में प्रदूषण उत्पन्न होता है। लेकिन इन सब पर अब तक बहुत कम ध्यान दिया गया है।

रेल परिवहन: पर्यावरण-मित्र या नई चुनौती?

भारतीय रेल को अब तक पर्यावरण के लिए अपेक्षाकृत 'सुरक्षित' परिवहन माना जाता रहा है। यह धारणा कुछ हद तक सही भी है, क्योंकि एक ट्रेन एक साथ हजारों यात्रियों को ले जाती है, जिससे सड़क यातायात और ईंधन खपत कम होती है। लेकिन जब हम वास्तविक आंकड़ों और व्यवहारिक स्थितियों को देखते हैं, तो तस्वीर कुछ और दिखाई देती है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रेल द्वारा लगभग 737 करोड़ यात्री यात्रा कर चुके हैं। यह संख्या भारत की आबादी के कई गुना है, क्योंकि एक व्यक्ति वर्ष में कई बार ट्रेन से यात्रा करता है। अब सोचिए, इन यात्राओं के दौरान कितना ठोस अपशिष्ट (solid waste) उत्पन्न होता है — जैसे प्लास्टिक की बोतलें, डिस्पोजेबल प्लेट्स, पैकिंग मटीरियल, रैपर, बचे हुए भोजन, अखबार और गंदे पानी का बहाव। रेल में चलने वाले पैंट्री कार और स्टेशनों पर मौजूद खानपान केंद्र प्रतिदिन लाखों टन कचरा उत्पन्न करते हैं, जिसका निस्तारण अब भी बहुत हद तक असंगठित है। यह कचरा नालियों और नदियों में जाकर जल प्रदूषण को भी जन्म देता है।

डेटा की कमी: सबसे बड़ी समस्या

यात्री संख्या के आंकड़े आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन इन माध्यमों से उत्पन्न प्रदूषण या कचरे के परिमाण से संबंधित कोई प्रामाणिक सार्वजनिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है। न रेल मंत्रालय और न ही नागरिक उड्डयन मंत्रालय इस विषय पर पारदर्शी डेटा साझा करता है। यह स्थिति चिंताजनक इसलिए भी है, क्योंकि जब तक प्रदूषण के वास्तविक स्रोतों का सही आकलन नहीं होगा, तब तक उस पर नियंत्रण की कोई ठोस नीति नहीं बनाई जा सकती। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) की कई रिपोर्टों में यह उल्लेख किया गया है कि परिवहन क्षेत्र देश के कुल कार्बन उत्सर्जन में लगभग 13-15 प्रतिशत तक योगदान देता है। लेकिन सार्वजनिक परिवहन के हिस्से का सटीक प्रतिशत अब तक अस्पष्ट है।

सार्वजनिक परिवहन में कचरे का बढ़ता बोझ

कई बार यह भ्रम बना दिया जाता है कि प्रदूषण केवल 'ईंधन दहन' से होता है। जबकि सच्चाई यह है कि यात्रा के दौरान उत्पन्न ठोस कचरा, अपशिष्ट जल, और ध्वनि प्रदूषण भी उतने ही खतरनाक हैं। रेलवे स्टेशनों पर बिछा हुआ प्लास्टिक, उपयोग के बाद फेंकी गई बोतलें, पन्नियां, और खानपान सामग्री का कचरा न केवल वातावरण को गंदा करता है, बल्कि नालियों को जाम कर देता है, जिससे जलभराव और संक्रमण फैलने की आशंका रहती है। इसी प्रकार, हवाई अड्डों पर 'ड्यूटी-फ्री शॉप्स', रेस्टोरेंट्स, और यात्रियों की पैकिंग मटीरियल से उत्पन्न अपशिष्ट पर्यावरण को गहरा नुकसान पहुंचाते हैं।

पर्यावरण के प्रति लापरवाही: संस्थागत असंवेदनशीलता

सबसे बड़ा संकट यह है कि जो संस्थाएं इन संसाधनों को संचालित करती हैं — जैसे रेल मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, और मेट्रो प्राधिकरण — वे इस विषय पर बेहद असंवेदनशील हैं।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर घटाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग की नई पहल

-वरिष्ठ स्त्री एवं शिशु रोग विशेषज्ञों के साथ चर्चा, गर्भवती महिलाओं की मॉनिटरिंग के लिए सिस्टम सुदृढ़ करने के सुझाव शामिल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने की दिशा में सार्थक प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में प्रदेश के वरिष्ठ स्त्री रोग एवं शिशु रोग विशेषज्ञों, मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्षों एवं डवलपमेंट पार्टनर्स के प्रतिनिधियों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि आगामी समय में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने की दिशा में व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाते हुए प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ अधिक फोकस होकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं एवं बीमार शिशुओं के उच्च चिकित्सा संस्थानों पर अनावश्यक रैफरल को रोकने के लिए मैकेनिज्म को और मजबूत बनाया जाएगा। साथ ही, उन्होंने ब्लॉक स्तर पर वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में छोटे-छोटे मेंटरिंग सेंटर बनाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के गुणवत्तापूर्ण नियमित प्रशिक्षण पर ध्यान दिया जाएगा।

ई-कंसल्टेशन विकसित करें मॉड्यूल-

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि यह भी ध्यान रखा जाएगा कि संबंधित चिकित्सा प्रभारी के सुपरविजन में आशा-एएनएम द्वारा एक ठोस मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित हो, ताकि गर्भवती महिला की प्रसव पूर्व की पहली जांच के बाद लगातार देखभाल की जाए। इससे प्रसव के दौरान उच्च जोखिम में कमी आ सकेगी। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ सहित अन्य डवलपमेंट पार्टनर्स ई-कंसल्टेशन मैकेनिज्म के लिए एक मॉड्यूल विकसित करें।

आगामी कार्य योजना में शामिल होंगे सुझाव-

मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव ने कहा कि इस चर्चा में वरिष्ठ विशेषज्ञों से उनके अनुभवों के आधार पर सुझाव लिए गए हैं, जो आगामी कार्ययोजना में शामिल किए जाएंगे। इन सुझावों से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम स्तर पर लाने में मदद मिलेगी। बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सीतारमण, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. लीला व्यास, अधीक्षक महिला अस्पताल डॉ. आशा वर्मा, अधीक्षक जनाना डॉ. नुपुर, यूनिसेफ के हैल्थ स्पेशलिस्ट डॉ. अनिल अग्रवाल, वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश चौधरी, परियोजना निदेशक मातृ स्वास्थ्य डॉ. तरूण चौधरी, आरबीएसके के परियोजना निदेशक डॉ. मुकेश डिगरवाल, परियोजना निदेशक शिशु स्वास्थ्य डॉ. प्रदीप चौधरी सहित राजकीय एवं निजी अस्पतालों के विशेषज्ञ तथा डवलपमेंट पार्टनर्स एफओसीएसआई, आईएपी, एनएनफ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। एम्स जोधपुर के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज गुप्ता वीसी के माध्यम से जुड़े।

आमजन की शिकायतों का धरातल पर हो तत्काल निस्तारण - श्रीमती पूनम

-शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एकीकृत नगर निगम की प्रथम बैठक मंगलवार को लालकोठी स्थित नगर निगम मुख्यालय पर संभागीय आयुक्त एवं प्रशासक श्रीमती पूनम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्रशासक श्रीमती पूनम ने सर्वप्रथम सभी अधिकारियों से परिचय लिया। इस अवसर पर नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने प्रशासक श्रीमती पूनम को निगम की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस दौरान नगर निगम के दोनों अतिरिक्त आयुक्त, वित्तीय सलाहकार सहित सभी जोन उपायुक्त एवं अन्य अधिकारी, अधिशासी अभियंता मौजूद रहे। शहर की सफाई व्यवस्था हो सुदृढ़ प्रशासक श्रीमती पूनम ने सभी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को मोटिवेट करते हुए कहा कि सभी अधिकारी पूरी ऊर्जा एवं आपसी समन्वय से काम करें जिससे आमजन में

भी विश्वास कायम हो सके तथा धरातल पर कार्यों का क्रियान्वयन शीघ्रता से किया जा सके। श्रीमती पूनम ने इस अवसर पर कहा कि कार्यों की दिन-प्रतिदिन मॉनिटरिंग भी की जायेगी। आगामी दिनों में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया, प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में सभी तैयारियाँ पूरी करने एवं अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी दिवसों में आयोजित होने वाले इन आयोजनों से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसलिए शहर के सौंदर्य को सँवारा जाना चाहिए तथा सभी पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई पर विशेष बल देकर कार्य किया जाए। सड़कों पर आश्रयहीन पशु न घूमें, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आगामी आयोजनों के संबंध में मिशन मोड पर रहकर शहर की सफाई व्यवस्था एवं सौंदर्य को सुव्यवस्थित किया जाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जो भी साइन बोर्ड टूटे हुए हैं, उन्हें ठीक किया जाए। सभी शाखाएँ आपस में समन्वय से कार्य करें। शहर को बदरंग करने वाले अवैध होर्डिंग-बैनर-पोस्टर को हटाया जाये।

सूरजपोल कृषि उपज मंडी के सहायक सचिव ₹8,000 रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की एसआईयू इकाई द्वारा मंगलवार को एक ट्रैप कार्रवाई करते हुए कृषि उपज मंडी समिति, सूरजपोल, जयपुर में कार्यरत सहायक सचिव इन्द्र सिंह मीणा को ₹8,000 (आठ हजार रुपये) की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी को परिवादी ने एक शिकायत इस आशय की मिली कि उसकी फर्म का मंडी लाइसेंस बनवाने की एवज में सहायक सचिव इन्द्र सिंह मीणा द्वारा रिश्वत की माँग की जा रही है। शिकायत का सत्यापन कर आज ब्यूरो की टीम द्वारा ट्रैप कार्रवाई की गई। जिस पर उपमहानिरीक्षक पुलिस अनिल कायल के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा आरोपी को परिवादी से मांगी गई रिश्वत राशि ₹8,000 लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। रिश्वत की राशि आरोपी के कब्जे से बरामद कर ली गई है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के नेतृत्व में आरोपी से पूछताछ तथा अग्रिम कार्रवाई जारी है आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित अधिनियम 2018) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे करवाई की जाएगी।

वंदे मातरम्@150 के तहत जोन स्तर पर आयोजित हुये विभिन्न कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नागरिकों में देशभक्ति, स्वदेशी, तिरंगा रैली एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करने हेतु नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में मंगलवार को जोन स्तर पर वंदे मातरम्@150 एवं स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसके तहत श्रमदान, स्वदेशी संकल्प शपथ, प्रभात फेरी जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गये। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि देशभक्ति का संदेश देते हुये प्रभात फेरी, स्वदेशी, तिरंगा रैली निकाली गई। इस अवसर पर झोटवाड़ा जोन में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। जिसमें एक वरिष्ठ नागरिक ने सफाई को लेकर शिकायत की जिस पर नगर निगम टीम द्वारा त्वरित रूप से संज्ञान लेते हुये उनकी शिकायत का समाधान त्वरित रूप से करवाया गया। जिस पर वरिष्ठजन ने नगर निगम टीम को धन्यवाद दिया।

निजी क्षेत्र में रोजगार अवसरों को बढ़ावा देने के लिए "एच.आर. कॉन्क्लेव 2025" का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, जयपुर एवं सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में एक दिवसीय "एच.आर. कॉन्क्लेव 2025" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नरेश गोयल रहे। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में अरूण अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष, फोर्टी राजस्थान; जगदीश सोमानी, अध्यक्ष, वी.के.आई. एसोसिएशन; तथा अनाम कुमार, संस्थापक, वर्ल्ड ग्रोथ फोरम ने अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि नरेश गोयल ने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रशिक्षण आवश्यक है। सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय के निदेशक अरूणांशु हलदर ने कहा कि वर्तमान समय में निजी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन शिक्षण संस्थानों और उद्योग जगत के मध्य संवाद स्थापित करने का सेतु बनते हैं। उप निदेशक श्रीमती नवरेखा ने "एच.आर. कॉन्क्लेव 2025" की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि राज्य सरकार के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की कार्ययोजना के तहत रोजगार विभाग समय-समय पर कैंपस प्लेसमेंट एवं रोजगार मेलों का आयोजन कर बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निजी संस्थानों एवं रोजगार विभाग के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। कॉन्क्लेव के दौरान आई.टी., मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, सेल्स/मार्केटिंग, जेम्स एंड ज्वैलरी, होटल, हॉस्पिटल, फाइनेंस, बैंकिंग, इंजीनियरिंग एवं इंश्योरेंस जैसे प्रमुख क्षेत्रों के HR मैनेजरों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर सुझाव एवं अनुभव साझा किए। अरूण अग्रवाल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और भारत के युवाओं में असीम संभावनाएँ हैं। जगदीश सोमानी ने कहा कि निजी क्षेत्र ने युवाओं के प्रवासन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने हेतु उद्योग जगत और युवाओं का सहयोग आवश्यक है। अनाम कुमार ने युवाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर बल दिया। कार्यक्रम में विभिन्न निजी क्षेत्रों से जुड़े एचआर मैनेजरों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। सभी ने आयोजन की उपयोगिता की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे संवादात्मक कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन पर बल दिया। कार्यक्रम की सफलता में सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर के दीप गाथुर एवं किंगशुख मुखर्जी का विशेष योगदान रहा।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने की प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों की समीक्षा

-जयपुर के सौंदर्यकरण और आगंतुकों के स्वागत की तैयारी पर जोर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को शासन सचिवालय में प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025 के सफल आयोजन के लिए गठित कार्य समितियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले विस्तृत कार्यक्रम और विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने आयोजन से जुड़ी सभी गतिविधियों के निर्बाध समन्वय और समय पर क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों के बीच भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के स्पष्ट विभाजन पर ज़ोर दिया। पंत ने सभी संबंधित विभागों के बीच सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस आयोजन को यादगार और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रत्येक समिति को मिलकर काम करना होगा। प्रवासी राजस्थानियों का गर्मजोशी से स्वागत करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव ने

कहा, प्रवासी राजस्थानी दिवस एक महत्वपूर्ण आयोजन है और इसके लिए जयपुर शहर के सौंदर्यकरण का विशेष महत्व है।आयोजन के दौरान आगंतुक प्रतिनिधियों के भ्रमण के लिए पर्यटन स्थलों पर सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जब हम अपने प्रवासियों का घर आने पर स्वागत करें तो जयपुर शहर बहुत सुंदर और साफ सुथरा नजर आए। बैठक में आयोजन स्थल की व्यवस्था, आतिथ्य, भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर भी चर्चा हुई, ताकि आयोजन का हर पहलू राजस्थान की समृद्ध विरासत और जीवंत भावना को प्रतिबिंबित करे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. देबाशीष पृष्टी, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रवि कुमार सुरपुर, जयपुर विकास प्राधिकरण की आयुक्त श्रीमती आनंदी, परिवहन सचिव श्रीमती शुचि त्यागी, गृह विभाग के महानिरीक्षक दीपक कुमार, पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियार, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा, निवेश प्रोत्साहन ब्यूरो (बीआईपी) आयुक्त सुरेश कुमार ओला, जयपुर नगर निगम आयुक्त गौरव सैनी तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ताला डूंगरी पर रह रहे कालबेलिया के पास मिला गुमशुदा बालक

-अल्ताफ खान की सुचना पर पहुंची ताला चौकी पुलिस

जमवारामगढ़/ताला (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीणों ने ताला डूंगरी पर कालबेलियों के चंगुल से मुक्त कराया किशोर नाबालिग बालक को, ग्रामीण लक्ष्मीनारायण जाट व कैलाश मीणा ने किशोर को सुरक्षित पहुंचाया पुलिस चौकी ताला में 25 दिनों पहले नीमड़ी मोरीजा रोड सामोद से लापता हुआ था 14 वर्षीय गजेन्द्र गुर्जर, परिजनों ने गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज कराई हुई थी सामोद थाना में, ताला पुलिस ने सामोद पुलिस व किशोर के परिजनों को दी सूचना, सुचना पर सामोद पुलिस व परिजन पहुंचे ताला पुलिस चौकी पर पुलिस किशोर से कर रही थी पूछताछ, वहीं सूचना के बाद ताला डूंगरी पर पहुंची पुलिस को कालबेलिया के पास था गुमशुदा बालक, सामोद पुलिस ने बालक के बारे

में पुछताछ की तो कालबेलियों ने स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए, तो सामोद पुलिस ने एक कालबेलिया को पुछताछ के लिए अपने साथ सामोद थाना ले गई। बालक को लक्ष्मीनारायण जाट, कैलाश मीणा ने बाइक पर बैठाकर ताला पुलिस चौकी में पहुंचाया, वहीं ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई दिनों से सरकारी डुगरी पर कब्ज़ा कर बैठ है लेकिन स्थानीय प्रशासन इन पर अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है, वही ग्रामीणों ने इन पर ठोस कार्रवाई कर यहां से हटाने की मांग कि है। ग्रामीणों ने कहा कि इनको जल्दी यहां से स्थानीय प्रशासन द्वारा नहीं हटाया गया तो जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा।

मनोहरपुर में अवैध अतिक्रमण पर बढ़ा विवाद :

व्यापारी ने नगरपालिका से लगाई गुहार, ईओ बोले- जांच के बाद होगी कार्रवाई

मनोहरपुर/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के गांधी चौक बाजार में अग्रवाल धर्मशाला के सामने स्थित विजेता मोबाइल के प्रोप्राइटर महेन्द्र पारीक और ज्ञान प्रकाश पारीक ने नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी को शिकायत सौंपकर सार्वजनिक मार्ग पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटाने की मांग की है। पारीक ने बताया कि उनकी दुकान के पास कुछ लोगों द्वारा दीवार से सटा कर ठेले व अस्थायी संरचनाएँ खड़ी की जा रही हैं, जिससे दुकान का प्रवेश मार्ग बाधित हो गया है और ग्राहकों को असुविधा हो रही है। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान अतिक्रमण के कारण जल निकासी अवरुद्ध हो जाती है, जिससे दुकान में पानी भर जाता है और आसपास गंदगी फैलती है। व्यापारी ज्ञानचंद पारीक का आरोप है कि बार-बार निवेदन करने के बावजूद संबंधित व्यक्ति राजनीतिक संरक्षण में धीरे-धीरे स्थायी कब्जा जमाने की कोशिश कर रहा है। इससे न केवल स्थानीय जन असंतोष बढ़ रहा है, बल्कि नगरपालिका की साख पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहा है। पारीक ने नगरपालिका से मौके पर जांच कर अवैध संरचनाएं हटाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही क्षेत्र में अतिक्रमण विरोधी बोर्ड लगाने का सुझाव भी दिया है ताकि भविष्य में कोई अन्य व्यक्ति ऐसा कदम न उठाए। इस मामले पर पालिका अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव ने कहा कि, अवैध रूप से रखी थडियों का मौका मुआयना किया जाएगा। जांच के बाद ही कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

लेन ड्राइव सिस्टम में उत्कृष्ट योगदान पर कांस्टेबल रमेश गोचर को मिला डीजीपी सम्मान

जयपुर/मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में जयपुर ग्रामीण पुलिस के 28 अधिकारी-कर्मचारियों को लेन ड्राइव सिस्टम अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए डीजीपी राजीव शर्मा ने मंगलवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में कोटपूतली-बहरोड़ एसपी कार्यालय के कांस्टेबल रमेश गोचर (बेल्ट नं. 619) भी शामिल रहे। गोचर ने हाईवे पर लेन ड्राइव सिस्टम को सशक्त रूप से लागू करने, यातायात अनुशासन बनाए रखने और अपराधियों की धरपकड़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी सूझबूझ और तत्परता से कई पुलिस कार्रवाइयाँ सफल रहीं।

पूर्व में कोटा जिले के सुल्तानपुर थाना में करीब दस वर्षों तक सेवा दे चुके गोचर ने वहाँ भी वारंट निस्तारण, अपराधियों की गिरफ्तारी और कानून व्यवस्था बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया था। उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें पूर्व में कोटा रेंज के

आईजी द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है।

इस दौरान डीजीपी राजीव शर्मा ने कहा कि ऐसे समर्पित और अनुशासित पुलिसकर्मी ही विभाग की साख को नई ऊँचाई पर ले जाते हैं। वहीं एसपी राशि डोगरा डूडी ने कहा कि रमेश गोचर जैसे कर्मठ अधिकारी पुलिस विभाग की रीढ़ हैं। जो जनता के प्रति सेवा भावना और अनुशासन का आदर्श प्रस्तुत करते हैं।

जेडीसी आनंदी ने ली समीक्षा बैठक, लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में जेडीए के मंथन सभागार में सभी प्रकोष्ठों और जोन उपायुक्तों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जेडीसी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए और नागरिक आधारित सेवाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, जिससे जनता को समयबद्ध सेवाएं मिल सकें। राईजिंग राजस्थान' के तहत विभिन्न जोन कार्यालयों से आवंटित होने वाली भूमि से संबंधित लंबित प्रकरणों का निस्तारण दिसंबर 2025 तक करने का निर्देश दिया गया।

भू-उपयोग परिवर्तन, ले-आउट अनुमोदन और भवन मानचित्र समिति (बीपी) के लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए।समस्त लंबित फाइलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। जोन स्तर पर प्राप्त आवेदनों/प्रकरणों को समय सीमा निर्धारित कर निस्तारण किया जाए। राजकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए जोन स्तर पर एस.डी.ओ. और राजस्व अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने, नोटिस जारी करने और हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए गए। अतिक्रमण मुक्त की गई भूमि की प्लानिंग कर पीडब्ल्यूसी में प्रस्तुत करने को कहा गया। अवैध अतिक्रमणों के जोन स्तर पर लंबित प्रोफार्म रिपोर्ट/जवाब परीक्षण को पूरा कर प्रवर्तन प्रकोष्ठ को भेजने का निर्देश दिया गया, ताकि तत्काल निर्णय लेकर अवैध अतिक्रमण हटाए जा सकें। माननीय हाईकोर्ट के आदेशानुसार नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे को जोड़ने वाली जविप्रा क्षेत्र की मुख्य सड़कों और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने हेतु जोन उपायुक्तों को फेजवार अतिक्रमण चिन्हति कर हटवाने के निर्देश दिए गए। धारा 177 के अंतर्गत कृषि भूमि के अवैध उपयोग के मामलों में संबंधित तहसीलदारों को त्वरित कार्रवाई के लिए पत्र जारी करने तथा पूर्व में भेजे गए मामलों की प्रगति रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए। विभिन्न माननीय न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की तथ्यात्मक रिपोर्ट और एफआर (फैक्टुअल रिपोर्ट) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। विधि शाखा को लंबित प्रकरणों की निरंतर समीक्षा करने का निर्देश दिया गया।संबंधित प्रभारी अधिकारियों को उनके जोन/प्रकोष्ठ के महत्वपूर्ण लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अगली पेशी से पूर्व जवाब भिजवाने और अधिवक्ताओं से संपर्क कर प्रभावी पैरवी सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए गए। समस्त जोन उपायुक्तों को नीलामी योग्य परिसंपत्तियां (भूमि/भूखण्ड) चिन्हति कर शीघ्र नीलामी शाखा को उपलब्ध करवाने हेतु निर्देशित किया गया। जोन-1 से 8 तक के जोन उपायुक्तों को अनुमोदित कॉलोनियों में नीलामी योग्य परिसंपत्तियां चिन्हति करने के निर्देश दिए गए। जिन आवंटियों ने जविप्रा की विभिन्न योजनाओं में आवंटित भूखण्डों की नियमानुसार राशि जमा नहीं कराई है, ऐसे भूखण्डों को चिन्हति कर आवंटन निरस्त कर नीलामी में रखने के निर्देश दिए गए। नव सृजित जोन क्षेत्रों में नवीन योजना सृजित करने हेतु भूमि चिन्हति करने का निर्देश दिया गया। समाधान पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नियत समय सीमा में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। डीटीएस/संपर्क (राजस्थान संपर्क पोर्टल) के लंबित प्रकरणों और पिंक लेटर्स का निस्तारण तय समय सीमा में और गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बकाया लीज के प्रकरणों, विशेषकर बड़े भूखण्डों/ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों की लीज वसूली हेतु नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। मुख्य सड़कों/सेक्टर सड़कों हेतु भूमि अवाप्ति के लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। लोकायुक्त एवं मानवाधिकार आयोग से जुड़े प्रकरणों में शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने और जहां व्यक्तिगत उपस्थिति अपेक्षित हो, वहां अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर जेडीए का पक्ष रखने का निर्देश दिया गया। लंबित 90ए के प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित अवधि में करने का निर्देश दिया गया। जेडीसी ने सभी अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण पारदर्शिता, गुणवत्तापूर्ण, तत्परता एवं उत्तरदायित्व के साथ करने के निर्देश दिये।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप, बगड़ में करुणा फेलो बैच–6 का स्नातक समारोह सम्पन्न

बगड़/झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप के परिसर में करुणा फेलोशिप बैच–6 का स्नातक समारोह भावनात्मक और प्रेरणादायक माहौल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर करुणा फेलोज़ ने 23 महीनों की अपनी सीख और अनुभव साझा करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कार्य जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ज़िला परिषद की ओर से अधिकारी सुमन जी तथा ज़िला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी हिमांशु जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप से सफिया जी, नितिन जी, अंबुजा फ़ाउंडेशन, चिड़ावा से ख़ुशबू जी, अशगाल खान, कुलदीप चौधरी, सुबोध, जयश्री और बैच–7 करुणा फेलोज़ शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद करुणा फेलोज़ ने प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी यात्रा, अनुभव और समाज में किए गए कार्य साझा किए। फेलोज़ ने झुंझुनूं ज़िले के 11 प्रखंडों में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, और पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य किया — विशेष रूप से 'शून्य प्लास्टिक अपशिष्ट ज़िला' अभियान में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही, जिसमें एक लाख से अधिक नागरिक जुड़े। अतिथियों ने करुणा फेलोज़ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह फेलोशिप युवाओं को करुणा, संवेदना और जिम्मेदारी के साथ समाज के लिए कार्य करने की दिशा देती है। समारोह के अंत में फेलोज़ को प्रमाणपत्र और पौधे भेंट किए गए, जो उनकी नई यात्रा और समाज में करुणा के प्रसार का प्रतीक हैं। इस अवसर पर पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप की टीम ने कहा कि करुणा फेलोशिप केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में संवेदना और सकारात्मक परिवर्तन की संस्कृति को आगे बढ़ाने का माध्यम है।

डॉ. मेधा माथुर राजस्थान आई.ए.पी.एस.एम. स्टेट काउंसिल की एक्जीक्यूटिव काउंसिल मेंबर चयनित हुईं

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। डॉ. मेधा माथुर, प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर ने 7 से 8 नवम्बर 2025 को जयपुर में आयोजित 14वीं आईएपीएसएम राजकॉन कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। इस अवसर पर उन्हें राजस्थान के इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन स्टेट काउंसिल की एक्जीक्यूटिव काउंसिल मेंबर के रूप में उदयपुर ज़ोन से चुना गया। डॉ. मेधा माथुर ने कॉन्फ्रेंस में "फ्रॉम इनोवेशन टू इन्क्यूबेशन – बिल्डिंग हेल्थकेयर स्टार्टअप्स" विषय पर आयोजित पैनल डिस्कशन में मॉडरेटर के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही उन्होंने "यूज़ ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट इन डायबिटीज पेशेंट्स" विषय पर अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया जिसे काफी सराहा गया। इसी कॉन्फ्रेंस में डॉ. हरलीन सिंह, पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट, डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन ने "वैक्सीन हेजिटेंसी अमंग अर्बन स्लम एडल्ट्स ऑफ उदयपुर डिस्ट्रिक्ट" विषय पर पोस्टर प्रेजेंटेशन में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

"गीतांजली इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी का गोवा औद्योगिक दौरा"

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी ने औद्योगिक दौरे का आयोजन किया और ब्लू क्रॉस लेबोरेटरीज, गोवा का दौरा किया। उन्होंने हमें विभिन्न प्रयोगशालाओं में ले जाकर टैबलेट और सिरप की तैयारी और निर्माण, स्ट्रिप्स की पैकेजिंग आदि की कार्यशील मशीनरी का प्रदर्शन किया। कुल 50 छात्रों ने भाग लिया। औद्योगिक दौरे का आयोजन और प्रबंधन डॉ. कल्पेश गौर, बविता गौर, डॉ. नरेंद्र भीमराज परिहार और डॉ. चेतन मालवीय द्वारा किया गया था।

विश्व उर्दू दिवस का हुआ आयोजन

-'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा...' गीत के रचियता डॉ. मुहम्मद इक़बाल की 148वीं जयंती

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। सारे जहां से अच्छा हिन्दस्तां हमारा, गीत के रचियता और उर्दू शायरी में ज़िन्दगी की मूलभूत व संघर्षशील बातों को प्रेरणा के रूप में पेश करने वाले डॉ मुहम्मद इकबाल की 148वीं जयंती के मौके पर बुझावड़ स्थित मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के उर्दू डिर्पाटमेन्ट की ओर से सभागार में विश्व उर्दू दिवस का आयोजन किया गया। प्रोग्राम कॉर्डिनेटर व उर्दू विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अज़ीज़ुलहसन ने जानकारी दी कि अल्लामा इक़बाल के नाम से प्रसिद्ध डॉ मुहम्मद इकबाल के जन्म दिवस 9 नवम्बर को पूरी दुनिया में आलमी (विश्व) उर्दू दिवस के तौर पर मनाया जाता है। उन्होंने आज़ादी से पूर्व इस मशहूर शायर के जीवन, शिक्षा, उर्दू शायरी, विदेश में शिक्षा व जीवन संघर्ष को बताते हुए युवाओं के सन्दर्भ में अल्लामा इकबाल की 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा..... सहित कुछ मशहूर पंक्तियां पढी। यूनिवर्सिटी प्रेसिडेन्ट डॉ. जमील काज़मी ने कहा कि मुहम्मद इक़बाल भारत के प्रसिद्ध दार्शनिक कवि थे। उर्दू और फ़ारसी में इनकी शायरी आधुनिक काल की सर्वश्रेष्ठ शायरी रही। असरार-ए-ख़ुदी, रुमुज़-ए-बेख़ुदी और बंग-ए-दारा, देशभक्तिपूर्ण तराना-ए-हिन्द (सारे जहाँ से अच्छा) इनकी प्रमुख रचनाएं रही। ईरान और अफ़ग़ानिस्तान में इनकी फारसी शायरी बहुत प्रसिद्ध है। इन्होंने इस्लाम के धार्मिक और राजनैतिक दर्शन पर बेहतरीन लिखा है। एज्यूकेशन डिपार्टमेन्ट की विभागाध्यक्ष डॉ.समीना ने उर्दू जबान की मिठास और उसकी गंगा-जमनी तहज़ीब की अहमियत पर बात की। उर्दू असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सय्यद असद अली, डॉ अब्दुल्लाह खालिद व डॉ. मरजीना ने अल्लाम इकबाल की शायरी पर प्रकाश डालते हुए उनके पैग़ाम (संदेश) पर चलने का आह्वान किया। यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने बताया कि कार्यक्रम में डीन डॉ. निरंजन बोहरा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुमताज, डॉ. साबरा, डॉ. सीमा, रेशमा बानो, पूजा, तौसिफ खान सहित कई स्टाफ व स्टूडेन्ट्स मौजूद रहे। संचालन डॉ मरजीना ने किया। कला संकाय डीन डॉ. इनाम इलाही ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

वन्दे मातरम कार्यक्रम अन्तर्गत स्वच्छता की दिलाई शपथ

रतननगर (रॉयल पत्रिका) । राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आमजन में देश भक्ति, स्वदेशी एवं राष्ट्रीय भावना को सुदृढ़ करने के कार्यक्रमों की श्रृंखला में यहां मंगलवार को नगरपालिका रतननगर द्वारा पालिका अध्यक्ष निकिता गुर्जर के मुख्य आतिथ्य एवं अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़ की अध्यक्षता मे जनप्रतिनिधियों, आमजन एवं स्कूली छात्र-छात्राओं की नगरपालिका प्रांगण से लेकर खेल मैदान तक रैली निकालकर स्वच्छता का न केवल संदेश दिया बल्कि स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की उपस्थितजनों को शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पालिकाध्यक्ष निकिता गुर्जर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वंदे मातरम की भावना को गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक पहुंचाकर राष्ट्र के प्रति समर्पण, सेवा और संवेदना को पुनः जागृत किया है। वंदे मातरम से प्रेरणा लेकर हम सब मिलकर एक सशक्त समरश और प्रगतिशील भारत का निर्माण करें। अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़ ने कहा कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम भारत के स्वाधीनता आंदोलन का मूल मंत्र था। वंदे मातरम हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ो और राष्ट्रीय अस्मिता से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। हम सभी अपनी मिट्टी के प्रति कृज्ञय रहे तथा देश पहले, मैं बाद में के विजन को आत्मसात करें। इस अवसर पर रतननगर चिल्ड्रन एकेडमी के स्कूली छात्र-छात्राओं ने वंदे मातरम के नारों से खैल मैदान को गूंजायमान कर दिया। इस दौरान पार्षद ओमप्रकाश जांगिड़, बंटी गुर्जर, शंकरलाल, कनिष्ठ सहायक मनोहर सिंह, शंकरलाल पूनियां, पीआरओ किशनलाल उपाध्याय, होमेन्द्र सिंह, राजाराम यादव, दीपिका, मोनिका एसबीएम एमआईएस इंजीनियर, रमेश, कृष्ण सिंह सहित गणमान्यजन उपस्थित थें।

जयपुर ग्रामीण जिला यादव महासभा की एक मीटिंग जिला अध्यक्ष डॉक्टर खातोदिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जयपुर ग्रामीण जिला यादव महासभा की एक मीटिंग जिला अध्यक्ष जगदीश यादव जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें कांग्रेस पार्टी द्वारा जिला अध्यक्ष नियुक्ति की प्रक्रिया एवं सोशल मीडिया और अखबार में आ रही खबरों पर चर्चा की गई। चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से यह निर्णय किया गया कि जयपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष के पद पर यादव समाज के व्यक्ति की नियुक्ति होनी चाहिए क्योंकि पूरे प्रदेश में एक भी जिले में यादव समाज के व्यक्ति को जिला अध्यक्ष नहीं बनाया गया है जो कि चिंता का और चिंतन का विषय है। जिला जयपुर ग्रामीण वेस्ट में चार विधानसभा क्षेत्र दूदू, फुलेरा, झोटवाड़ा और चौमूं आते हैं। इन सभी विधानसभा क्षेत्र में यादव समाज के वोटर की संख्या हजारों में है। झोटवाड़ा और चौमूं विधानसभा क्षेत्र में यादव समाज की संख्या चुनाव जीतने की है लेकिन यादव समाज के व्यक्ति को उम्मीदवार ही नहीं बनाया जाता। उन्होंने बताया कि चौमूं विधानसभा क्षेत्र से चार बार यादव समाज के व्यक्ति विधायक रह चुके है उसके बावजूद यादव समाज के व्यक्ति को टिकट देना बंद कर दिया और अब सत्ता तो छोड़ो संगठन में भी स्थान नहीं दे रहे हैं जो सरासर गलत और अन्याय है। जयपुर ग्रामीण जिला ईस्ट में भी चार विधानसभा क्षेत्र आते हैं जिनमें से शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र से यादव समाज के मनीष यादव जी को कांग्रेस पार्टी द्वारा उम्मीदवार बनाया गया और समाज ने पूरे राजस्थान में सर्वाधिक वोटो से उन्हें विजयी बनाया। यदि जयपुर ग्रामीण जिला वेस्ट से भी यादव समाज के व्यक्ति को टिकट दिया जाता तो निसंदेह समाज उन्हें भी सर्वाधिक वोटों से विजयी बनाता। यादव समाज के जिलाध्यक्ष ने मांग रखी कि जयपुर ग्रामीण जिला वेस्ट से यदि सत्ता में भागीदारी नहीं दी गई है तो संगठन में दी जानी परम आवश्यक और जायज भी है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा पत्र लिखकर कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को और प्रदेश नेतृत्व को भी हमारी इच्छा से अवगत करवाया जाएगा और यदि फिर भी हमारी बात को तवज्जो नहीं दी गई तो आने वाले चुनाव में यादव समाज उसके अनुरूप ही निर्णय के लिए स्वतंत्र होगा। हमारे समाज में वरिष्ठ,कर्मशील,मेहनती और योग्य कांग्रेस पार्टी की विचार धारा के व्यक्ति मौजूद होने के बावजूद ना सत्ता में भागीदारी दी जा रही है और अब यदि संगठन मंय भी भागीदारी नहीं दी गई तो समाज के व्यक्तियों में भी और समाज के नेतृत्व में भी कांग्रेस पार्टी के प्रति उदासीनता आएगी जिसके परिणाम पड़ोसी राज्य हरियाणा की तरह होंगे। यदि कांग्रेस पार्टी ऐसे परिणाम से बचना चाहती है तो उन्हें जयपुर जिला ग्रामीण जिलाध्यक्ष के पद पर यादव समाज के योग्य एवं वरिष्ठ व्यक्ति की नियुक्ति करनी चाहिए।

सखी वन स्टॉप सेन्टर, महिला सलाह सुरक्षा केंद्र व 181 महिला हेल्पलाईन के बारे में दी जानकारी

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता पाली के सयुक्त तत्वाधान में सुल्तान सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल पूलिस लाईन पाली में महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक के निर्देशानुसार विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों का आमुखीकरण के अन्तर्गत विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेन्टर, महिला सलाह सुरक्षा केंद्र व 181 महिला हेल्पलाईन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला हब एम्पावरमेन्ट ऑफ वूमन से जेण्टर स्पेशलिस्ट राजश्री ने बताया कि सखी वन स्टॉप सेन्टर एक ऐसी जगह है जहां हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एक छत के नीचे अधिकतम 10 दिवसीय आश्रय सूविधा, चिकित्सा, कानूनी, मनोवैज्ञानिक और परामर्श सहायता सहित कई सेवाऐं प्रदान की जाती है। जिसमें बताया गया कि यदि कोई पीड़ित महिला मदद के लिए डायल करना चाहती है तो 181 महिला हेल्प लाईन पर कॉल कर सहायता प्राप्त कर सकती है। वर्तमान में सखी वन स्टॉप सेन्टर बॉगड हॉस्पिटल पाली में संचालित है। इसके अलावा पाली जिले में सोजत के बगडी, मारवाड़ जंक्शन, फालना, सुमेरपुर, रोहट एवं पाली ब्लॉक में कुल 5 महिला सलाह सुरक्षा केन्द्र संचालित है। इस सेन्टर पर भी घरेलू हिंसा,कानूनी मुद्दो, और विवादो से झूज रही महिलाओं को परामर्श और रेफरल सेवाऐं प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम में 50 से 55 बालिकाऐं एवं सतीश सहरण, इन्दबाला, ललीता मूलचन्दानी एवं स्कूल कॉर्डिनेटर राजू मेन्सन उपस्थित रहे।

राज्य पुरस्कार स्काउट एवं रोवर जॉच शिविर संपन्न

-विश्वसनीय और अनुशासन शील होना ही स्काउट की प्रथम पहचान है -राज्य प्रशिक्षण आयुक्त

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पाली के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय राज्य पुरस्कार स्काउट एवं रोवर जांच शिविर का आयोजन दिनांक 8 से 11 नवंबर 2025 तक जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी, पाली में किया जा रहा है, शिविर का आज समापन हुआ, सी ओ स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि शिविर में 329 स्काउट और 28 रोवर सहभागिता कर रहे हैं, राज्य पुरस्कार स्काउट एवं रोवर जॉच शिविर का राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्ना लाल ने अवलोकन किया एवं संभागीयों से रूबरू हुए, इस मौके स्काउट एवं रोवर से स्काउटिंग स्किल एवं स्काउट गाइड संगठन की जानकारी और राज्य पुरस्कार परीक्षा के संदर्भ में वार्ता की, स्काउट द्वारा राज्य पुरस्कार पाठ्यक्रम के संदर्भ में तैयार की गई लॉगबुक ओर तैयारी से प्रशिक्षण आयुक्त प्रभावित हुए सी ओ गाइड डिंपल दवे ने बताया कि राज्य प्रशिक्षण आयुक्त ने स्काउट की तैयारी जांच शिविर में शिविरार्थियों के प्रदर्शन और प्रश्नोत्तरी से प्रभावित होकर सभी को राज्य पुरस्कार के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी। स्काउट को संबोधित करते हुए राज्य प्रशिक्षण आयुक्त ने कहा कि समाज में विश्वसनीयता और अनुशासनशील होना ही स्काउट जीवन की प्रथम पहचान है, जिससे बालक बड़ा होकर समाज में एक सुनागरिक के रूप में तैयार होकर देश के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान प्रदान करता है।

इस अवसर पर सी ओ गाइड डिंपल दवे, लीडर ट्रेनर स्काउट एवं राज्य पुरस्कार स्काउट जॉच शिविर के मुख्य परीक्षक अनिल शर्मा आदि उपस्थित रहे। राज्य पुरस्कार स्काउट शिविर का संचालन मोहन सिंह राठौड़ एवं राज्य पुरस्कार रोवर शिविर का संचालन रोवर लीडर प्रभु प्रजापति एवं बतौर परीक्षक चंदन मल, चुन्नीलाल, कैलाश कुमार, प्रदीप कुमार शर्मा, दौलत सिंह, जयपाल सिंह, सुरेश कुमार मेवाड़ा, रामकरण प्रजापति, विशाल, घीसाराम, कर्माराम, जगदीश प्रसाद मीणा, कैलाश कुमार, विक्रम, हिमांशु, हितेश आदि द्वारा संचालन में सहयोग किया गया। भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में 23 नवंबर से 29 नवम्बर तक लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित।

शेखावाटी के त्रिवेणी संगम ग्राम ऊंटवालिया के सभागार से 16 नवम्बर को "बाजरा डे" मनाने का आह्वान - एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति

चुरु (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय के निकट वृत्ति चूरु सीकर झुंझुनूं की सिमाओं से सटा त्रिवेणी के संगम पर स्थित ग्राम ऊंटवालिया के सभागार से मुख्य वक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति जिला अध्यक्ष सीवील राइट सोसायटी चुरु ने शेखा वाटी अंचल की सभी छोटी बड़ी शाला प्रधानों से प्रार्थना सभा में बच्चों को संदेश प्रसारण कर आगामी 16 नवम्बर 2025 रविवार को "बाजरा डे" मनाने की शुरुआत इस प्रांगण से मंच से समस्त जिलों में सुचित करते हुए की । उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की मंशा अनुरूप आह्वान को सुस्वास्थ्य और शैक्षणिक विकास के लिए बच्चों द्वारा ये संदेश घर घर पहुंचाने का कार्य उप स्वास्थ्य केन्द्र और आंगनबाड़ी को भी अभियान के क्रियान्वयन करने की जनहित में अपील की है। उन्होंने खास तौर से बालिकाओं से कहा रविवार को बाजरा के विभिन्न व्यंजनों से "बाजरा डे" मनाना है। बाजरा निरोग है सस्ता पोष्टिक आसानी से उपलब्ध है बच्चों के सु स्वास्थ्य में दही बाजरा की रोटी का सर्वोच्च स्थान है इस अभियान की शुरुआत कार्यक्रम के प्रांगण से की।उन्होंने बच्चों को संस्कारित शिक्षा देते हुए कहा कि अर्धवार्षिक परीक्षा विद्यार्थी के योग्यता की मापक है सुबह तीन घंटे घर पर पढ़कर शाला आने का बच्चों ने स्वैच्छिक संकल्प लिया। प्रजापति ने अभावों को ताकत बना कर आगे बढ़ ने वालों के उदाहरण में बराक ओबामा के काले रंग, लाल बहादुर शास्त्री की कम लम्बाई,ऐ पी जे अब्दुल कलाम साहब की गरिबी, स्वामी केशवानंद सम्पूर्ण अभाव की ताकत को जिद के रुप में लेकर ऊंचाईयों को छू लेंने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुर्व जिला शिक्षा अधिकारी तनु राम माहिच ने विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत अनुशासन से बढ़कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शाला प्राचार्य सुनील शर्मा ने बच्चों को टच स्क्रीन मोबाईल से होने वाले नुकसानों से अवगत करवाते हुए आगन्तुक अतिथियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में यथा स्थान प्रधानाचार्य विपुल शर्मा, जग देवी, सविता पुनिया, शंकर लाल स्वामी, रेणु कुमारी,किरण कुमावत, संतोष मीणा, सुगना राम,पुनम विजय ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन वासुदेव शर्मा ने किया।

मौसमी और लाइफ स्टाइल से जुड़ी बीमारियों से बचाव पर दिया जोर

-आरोग्य समिति की त्रय मासिक व आयुष्मान आरोग्यमन्दिर की मासिक बैठक संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका) । ज़िले के गुसांईसर ग्राम स्थित राजकीय आयुर्वेद औषधालय में विभिन्न विभागीय गतिविधियां आयोजित की गई। इस दौरान मनीष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित आरोग्य समिति की बैठक में वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी लीलाधर शर्मा ने समिति का आय व्यय विवरण प्रस्तुत किया, औषधालय एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर की गतिविधियों की प्रगति से अवगत करवाया। शर्मा ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर व औषधालय में गुणवत्तापूर्ण औषधियां उपलब्ध हैं जिनसे औषधालय परिक्षेत्र के अधिकाधिक लोगों को आयुष पद्धति की सुविधायें दी जाती हैं। बैठक में औषधालय व आयुष्मान आरोग्य मंदिर की जरूरत के मद्देनजर दानदाता के सहयोग से बोरवेल बनवाने व परिसर में सी सी कैमरे लगवाने का प्रस्ताव पारित किये गये। इसके तुरंत बाद आयुष्मान आरोग्य मंदिर टीम की मासिक बैठक रखी गई, जिसमें आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्षेत्र की आशाओं द्वारा कैचमेंट एरिया के घरों का सर्वे करके भरे हुए फैमिली इंपैलनमैंट फार्म एवं सीबैक फार्म जमा किये गयेऔर आगामी माह के सर्वे के लिये प्रपत्र एवं घरों में वितरण हेतु ब्रोसर दिये गये। इसी दौरान दो माह में एक सात दिवसीय "जीवन शैली परिवर्तन" कैंप भी प्रारंभ किया गया जिसमें उपस्थित जन को जीवन शैली को सही रखकर लाईफस्टाईल डिजीज (एनसीडी) से बचाव, मौसमी बीमारियों से बचाव की स्वास्थ्य शिक्षा दी गई। इस अवसर पर विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य दिनेश कटेवा, जगदीश प्रसाद शर्मा, धूड़ाराम प्रजापत, राजेन्द्र झिकनाडिया, रक्षा कत्थक पंच, ए एन एम ज्योति, आशा सुबीता देवी, नेमा देवी, सरोज, लोकेश कुमार (यो. प्र.) पुष्पा कुमारी (यो. प्र. म) आदि उपस्थित थे। औषधालय के वरिष्ठ कम्पाउंडर राकेश कुमार ने बैठकों की व्यवस्था की एवं समस्त कार्यवाही लिखित की। अध्यक्ष मनीष शर्मा ने समिति की कार्यवाही एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर की प्रगति को प्रशंसनीय बताया। सजगता से कर्तव्य पालन के लिए औषधालय स्टाफ की सराहना की, धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक का विसर्जन किया गया।

मौलाना अबुल कलाम आजाद को अकीदत के साथ याद किया गया - अख्तर खान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय स्थित इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की योम-ए-विलादत को कौमी योमे-ए-तालीम राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया मौलाना अबुल कलाम आजाद ने अपनी किताब "गुबार -ए –खातिर" में अपनी कैदखाने की जिंदगी को पुर मुसर्रत बताते हुए लिखा है कि जिंदा दिली से जीना ही जिंदगी है जिंदगी कैदखाने के अंदर हो या बाहर हमेशा खुश दिली से जिंदा रहना चाहिए आज आपके योमे-ए-विलादत के मौके पर आपको खिराजे हकीकत पेश करते हैं आप स्वतंत्रता सेनानी रहे और देश के प्रथम शिक्षा मंत्री भी रहे और भारत के शिक्षाविद के साथ-साथ कवि साहित्यकार भी थे संस्थान के अध्यक्ष अख्तर खान रुकनखानी ने आपकी जीवनी पर प्रकाश डाला और दुआएं की अल्लाह ताला बुलंद फ़रमाए आपके दरजात आमीन। खिराजे अकीदत पेश करने वालों में संस्था सचिव हाजी यूसुफ खान रूकनखानी प्रधानाध्यापिका सबीना बानो शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई व विद्यार्थी आदि उपस्थित थे ।

केंद्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में दिशा की बैठक आयोजित

-जिले में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यों की गुणवत्ता के साथ समयबद्ध व शत-प्रतिशत क्रियान्विति करें सुनिश्चित -केंद्रीय मंत्री यादव

अलवर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने जिला परिषद सभागार में सोमवार को जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अलवर जिले के तीव्र एवं सर्वांगीण विकास के लिए अधिकारी सभी विकास कार्यों एवं योजनाओं को गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारीयों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिये कि जेजेएम के तहत फिजेबल गांवों में कार्यदिश के बाद कार्यों का क्रियान्वयन निश्चित टाइम लाइन अनुसार सुनिश्चित करावे तथा शेष रहे नॉन फिजेबल गांवों में पेयजल आपूर्ति के लिए कार्ययोजना तैयार कर तात्कालिक रूप में पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था कराने एवं अन्य योजना यथा चम्बल एवं ईआरसीपी से इनकी कवरेज सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जेजेएम योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सडकों को दुरूस्त करावे। साथ ही अवैध जल कनेक्शनों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा समस्त विधानसभा क्षेत्रों में खराब हैण्डपम्पों को भी दुरूस्त करावाये जाए। उन्होंने जिले के सभी राजकीय विद्यालयों एवं आंगनबाडी केंद्रों में पेयजल कनेक्शन यथाशीघ्र सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि जिले की शत-प्रतिशत ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने के लिए जनप्रतिनिधि, लोकसेवक के साथ आमजन के समन्वित प्रयासों की महती आवश्यकता है। उन्होंने भारत सरकार के टीबी मुक्त अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि टीबी रोगियों को न केवल निःशुल्क उपचार की सुविधा है बल्कि भोजन व पोषण हेतु प्रतिमाह एक हजार रूपये की राशि दी जा रही है। उन्होंने जिले में टीबी मुक्त अभियान की समीक्षा कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए श्टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियानश्को व्यापक स्तर पर संचालित कराने के साथ शेष रही ग्राम पंचायतों को यथाशीघ्र टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को निर्देश दिये कि सांसद एवं विधायक निधि से स्वीकृत कार्यों की प्रक्रिया को बिना किसी खामी के सरलीकृत कर गुणवत्ता के साथ त्वरित गति से धरातल पर उतारे। उन्होंने निर्देश दिये कि पीएम आवास योजना के तहत पात्रा व्यक्तियों को लाभांवित करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई व्यवस्था की सुनिश्चितता के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग करें।

चारण साहित्य समारोह 2025 साहित्य विषयक हुई सार्थक चर्चा प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। चारण साहित्य शोध संस्थान द्वारा रविवार को चारण साहित्य समारोह 2025 का आयोजन किया गया। इसमें डिंगल साहित्य पर सार्थक चर्चा होने के साथ ही प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। अखिल भारतीय चारण गढ़वी महासभा के अध्यक्ष सी.डी. देवल ने कहा कि समाज में टीका तथा दहेज प्रथा बंद होनी चाहिए। नौजवान समाज में सुधार लाएंगे। इससे समाज बिखराव से बचेगा। नई पीढ़ी में भ्रातृत्व का भाव पैदा होगा। चारण साहित्य शोध संस्थान के अध्यक्ष भंवर सिंह चारण ने कहा कि यह संस्थान समाज की धरोहर है। चारण समाज ने हमेशा समाज की दिशा बदली है। यह शोध संस्थान धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों को प्राप्त करने के तीन मार्गों भक्ति, ज्ञान तथा कर्म मार्ग पर कार्य करता है। यह संस्थान धरोहर का संरक्षण कर उसे मजबूत करने का कार्य कर रहा है। महात्मा ईसर दास जी द्वारा रचित एवं पद्मश्री सी.पी. देवल द्वारा संपादित ग्रंथ गुण हरि रस, ओंकार सिंह लखावत द्वारा रचित पुस्तक हिंगलाज शक्तिपीठ तथा डॉ. देवेंद्र गढ़वी द्वारा रचित पुस्तक चारण साहित्य रतन माला का आज विमोचन किया गया। शिरोमणि भक्त कवि महात्मा ईश्वर दास बारहठ पर केंद्रित साहित्यिक परिचर्चा में पद्मश्री डॉ. चंद्र प्रकाश देवल ने बताया कि ईश्वर दास जी के साहित्य को सुरक्षित और संरक्षित रखने की वर्तमान परिपेक्ष में आवश्यकता है ईश्वर दास जी को जानना आवश्यक है भक्त कवि के साथ उनकी दार्शनिकता का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि ईश्वर दास न केवल भक्त थे बाकी महान दार्शनिक भी थे। भक्त को पढ़ना, जानना और प्रेम करना चाहिए। शिरोमण भक्त कवि महात्मा ईसर दास बारहट पर केंद्रित साहित्यिक परिचर्चा में अंबादान रोहड़िया ने कहा कि महात्मा ईसर दास बारहठ का ग्रंथ हरि रस भगवत गीता का सार सरल भाषा में प्रस्तुत करता है। इसे द्वारकाधीश को समर्पित किया गया था। ईसर दास जी के पुरोहित द्वारिका में स्वयं को ईसराणी कहलाना पसंद करते हैं। ईसर दास जी की भक्ति का गुजरात में व्यापक प्रभाव है। इस कारण चौत्र सुदी नवमी को गुजरात में ईसर नवमी भी कहते हैं।

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने की विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा

-बैठक में अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सोमवार को बीकानेर के अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह ने जिले में जारी गतिविधियों की समीक्षा की। इसके पश्चात जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस दौरान अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओ द्वारा वितरित किए जा रहे ईएफ कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों को पूर्ण गंभीरता से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि कम प्रगति वाले बीएलओ अतिरिक्त गंभीरता से कार्य करें। बीएलओ द्वारा की जा रही मैपिंग की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं का इंपिक नंबर नहीं है, उनके पुराने निवास स्थान की जानकारी लेकर वर्ष 2002 की मतदाता सूची से नाम ढूंढा जाए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की मैपिंग नहीं हो पाई है, उनसे उनके या उनके माता-पिता के वर्ष 2002 में निवास स्थान की जानकारी लेकर मैपिंग सुनिश्चित की जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के समस्त ईआरओ को निर्देशित किया कि बीएलओ ऐप पर शत.प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा किया जाए। इसके बाद जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने मैपिंग कार्य में गति लाने, परिगणना परिपत्र वितरण कार्य में गति लाने और आम मतदाताओं में एसआईआर के प्रति जागरूकता पैदा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुपरवाइजर्स नियमित रूप से फील्ड में रहें तथा उनके अधीन बीएलओ के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें।

महिलाओं को नहीं उठानी पड़ रही परेशानी, BLO कर रहे हैं पीहर की सूची में मदद

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR-2026) के तहत मतदाता सूची अद्यतन कार्य में चित्तौड़गढ़ जिला मात्र 5 दिन में 50 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं को गणना पत्र वितरण कर राज्य में दूसरे स्थान पर है वहीं 73 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो चुकी है जिन्हें किसी प्रकार का दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं होगी। महिलाओं को अब अपने पीहर की मतदाता सूची में माता-पिता के नाम खोजने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आ रही है। जिला निर्वाचन विभाग ने इसके लिए विशेष तकनीकी और बीएलओ और अन्य स्वयंसेवकों के माध्यम से मानवीय सहयोग सुनिश्चित किया है।

2002 की मतदाता सूचियां सभी बीएलओ को उपलब्ध-

प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी (BLO) को वर्ष 2002 की मतदाता सूचियां उपलब्ध करवाई गई हैं, जिससे पुराने अभिलेखों के आधार पर मतदाताओं की पहचान करना अब बेहद आसान हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को अपने नाम की पुष्टि करने में इससे बड़ी मदद मिल रही है। BLO के पास अन्य राज्यों की 2002 की मतदाता सूचियां भी ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इससे विवाहोपरांत अन्य राज्यों में आई महिलाओं को केवल अपने गांव या मोहल्ले की जानकारी देनी होती है। उसी आधार पर BLO उनके माता-पिता के नाम खोजकर मैपिंग कर रहे हैं। प्रत्येक बीएलओ के साथ एक दक्ष BLO सहायक लगाया गया है, जो 2002 की मतदाता सूची से मतदाताओं को जानकारी प्रदान करने में सहयोग कर रहा है। इससे कार्य में पारदर्शिता और गति दोनों आई हैं। मतदाताओं को फोटो संबंधी किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। अधिकांश परिवारों के पास पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो पहले से उपलब्ध हैं, क्योंकि जनकल्याणकारी योजनाओं में भागीदारी के दौरान यह घरों में सुरक्षित हैं। जहां आवश्यकता है, वहां BLO आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से पहले ही मतदाताओं को सूचित कर चुके हैं, जिससे वे स्वयं फोटो की व्यवस्था कर रहे हैं।

पात्र मतदाता का नाम कटने की कोई संभावना नहीं-

जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि बड़ी संख्या में नाम कटने की आशंका पूरी तरह निराधार है। यदि किसी मतदाता या उसके माता-पिता का नाम 2002 की सूची में नहीं मिलता है तो भी प्रत्येक मतदाता का गणना प्रपत्र भरा जाएगा। इन मतदाताओं को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित किए गए साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी पात्र मतदाता को वंचित नहीं किया जाएगा। अब तक जिले में लगभग 73 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूर्ण हो चुकी है, यानी वे स्वयं या उनके माता-पिता/दादा-दादी 2002 की मतदाता सूची में दर्ज पाए गए हैं। यह उपलब्धि मात्र पाँच दिनों में हासिल हुई है, जबकि SIR अभियान 4 दिसंबर तक जारी रहेगा। जिला प्रशासन पात्र मतदाताओं की शत-प्रतिशत मैपिंग के लिए प्रतिबद्ध है।

सचिव रेखा यादव ने किया जिला कारागृह का साप्ताहिक निरीक्षण

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश अरुण कुमार अग्रवाल के निर्देशन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने जिला कारागृह धौलपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कारागृह में स्थापित प्रिजिन लीगल एण्ड क्लिनिक के संबंध में माननीय नालसा द्वारा जारी एसओपी में वर्णित दिशा-दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। सचिव द्वारा निरीक्षण के दौरान जेल में बंदियों से उनके प्रकरणों, अपील, जमानत, आगामी पेशी की तारीख, आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं सभी बंदियों से उनके स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी ली तो एक बंदी ने अपने हाथ में दर्द होने की जानकारी दी तो सचिव द्वारा जेल अधीक्षक को बंदी की जांच, दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए एवं सभी बंदियों से जातिगत भेदभाव के बारे में जानकारी प्राप्त की जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि चार नए बंदी जेल में आए है, सचिव द्वारा उनसे भी उनके प्रकरणों के बारे में जानकारी ली एवं लीगल एण्ड डिफेंस काउंसिल अधिवक्तागणों द्वारा नए बंदियों को फॉर्मेट भरकर देने के भी निर्देश दिए तथा सचिव ने बताया कि जो बंदी मुकदमे की पैरवी के लिए अधिवक्ता नियुक्त करने में असमर्थ है वह बंदी लीगल एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्तागणों के माध्यम से निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है एवं जेल में स्थित रसोई घर का भी निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान आज के भोजन की जानकारी ली तो आज के भोजन में आलू गोभी की सब्जी, मोठ की दाल एवं चपाती पाई गई उसके बाद रसोई घर में स्थित बर्तनों एवं रोटी बनाने की मशीनों का भी बारिकी से निरीक्षण किया गया एवं बंदियों के लिए उपलब्ध टॉयलेटों एवं कपड़े धोने एवं नहाने के लिए उपलब्ध पानी का भी निरीक्षण किया एवं टॉयलेटों एवं पानी को साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिए एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु सतत सफाई सुनिश्चित करने एवं संदी के मौसम को देखते हुए कंबल, बिस्तर रजाई गद्दे उपलब्ध कराने के भी जेल अधीक्षक को निर्देश दिए गए।

रंगों से सराबोर हुआ सुखमहल: कैनवास पर जीवंत हुई बूंदी की ऐतिहासिक विरासत

-बूंदी महोत्सव के तहत जैतसागर किनारे सजी भव्य चित्रकला प्रदर्शनी, जिला कलक्टर ने किया शुभारंभ

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। बूंदी महोत्सव की धूम के बीच सोमवार का दिन कला और संस्कृति के नाम रहा। ऐतिहासिक जैतसागर झील के किनारे स्थित मनोरम सुखमहल परिसर कलाकारों के रंगों से सराबोर हो गया। कैनवास पेंटिंग प्रदर्शनी में प्रदर्शित चित्रों ने विदेशी और देशी सैलानियों को आकर्षित किया। प्रदर्शनी में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए चित्रकारों ने अपनी कूची से बूंदी के गौरवशाली इतिहास और स्थापत्य को कैनवास पर सजीव कर दिया। प्रदर्शनी में बूंदी के ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों, स्मारकों और हवेलियों के चित्रों के साथ-साथ विश्व प्रसिद्ध बूंदी व किशनगढ़ शैली की लघु चित्रकला से प्रेरित आधुनिक कृतियों को भी प्रदर्शित किया गया। कलाकारों ने विविध विषयों पर अपनी कल्पना के रंग भरकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कैनवास प्रदर्शनी में विभिन्नक जिलों से आए के.जी. कदम, अनुराग मेहता, इकबाल हुसैन, विजय कुमावत, मुकेश शर्मा, दुर्गेश अटल, निर्मल यादव, के.के. कुन्द्रा , संत कुमार विश्नोई, महेश कुमावत सहित बूंदी के स्थाभनीय कलाकारों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया।

जिला कलक्टर ने की कलाकारों की हौसला अफजाई-

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने किया। उन्होंने सुखमहल में सजे एक-एक चित्र का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित कलाकारों से उनकी कलाकृति के विषय, शैली और प्रेरणा के बारे में विस्तृत जानकारी ली। कलक्टर गोदारा ने कलाकारों के हुनर की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी बूंदी की समृद्ध कला परंपरा को दर्शाती है। उन्होंने कलाकारों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने प्रदर्शनी में शिरकत करने वाले विभिन्न जिलों के कलाकारों तथा स्थानीय चित्रकारों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

विभागीय समन्वय बैठक आयोजित फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति और विकास कार्यों की हुई विभागवार समीक्षा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विभागीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों, जनशिकायतों और बजट घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने आमजन को केन्द्र में रखकर कार्य करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि आगामी 19 नवम्बर को घूमर फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए समस्त विभाग बालिकाओं एवं महिलाओं का पंजीयन कराने में सहयोग प्रदान करेंगे। इसके लिए पर्यटन विभाग को नोडल बनाया गया है। इसी प्रकार सरकार के दो वर्ष पूर्ण के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विकास पुस्तिका के प्रकाशन के लिए समस्त विभाग दो वर्ष की उपलब्धियों का बुलेट पॉईंट पर नोट सूचना एवं जन सम्पर्क कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे। इनके साथ उच्च गुणवत्ता वाली फोटो भी होनी चाहिए। दो वर्ष के कार्यक्रमों में प्रदर्शनी का आयोजन भी होगा। इसकी भी समस्त विभाग पूर्व तैयारी करके रखें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में समस्त विभागों की सहभागीता आवश्यक है। बीएलओ के साथ नियुक्त किए गए समस्त स्वयंसेवक मतदाताओं की मैपिंग तथा दस्तावेज सम्बन्धी कार्यों में सहयोग करेंगे। इसमें लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल, सीपीग्राम्स तथा संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की और कहा कि जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारी इन प्रकरणों का शीघ्र, पारदर्शी और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें। औसत निस्तारण समय को कम करने के लिए निर्देशित किया गया। औसत संतुष्टी स्तर बढ़ाए जाने के लिए परिवादियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए। लोक बन्धु ने कहा कि ई-फाइल, डाक, संपर्क पोर्टल तथा सीपीग्राम्स पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए।

राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के 150 वर्ष राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में जश्न

-रैली, रंगोली और गायन प्रतियोगिता वंदे मातरम् आजादी का गीत, आज भी प्रासंगिक- राठौड़

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। बोर्ड कर्मचारियों ने पूरे शहर में वाहन रैली निकाली, तिरंगा लहराया और कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। वंदे मातरम् गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे होने पर सोमवार को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों और कार्मिकों ने रैली निकाली। रैली में सभी कार्मिक केसरिया साफा और श्वेत वस्त्र पहने हुए थे। रैली रीट कार्यालय से रवाना होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए वैशाली नगर, मित्तल हॉस्पीटल, पुष्कर रोड़ होते हुए बजरंग गढ़ स्थित शहीद स्मारक पहुंची। रैली यहां से बोर्ड के जयपुर रोड़ स्थित कार्यालय आई, जहां भव्य स्वागत किया गया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। बोर्ड परिसर रंगोली और राष्ट्रीय रंगों से सजा हुआ नजर आया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरक शक्ति है। यह गीत राष्ट्रप्रेम, एकता और नारी शक्ति के आदर्श का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस गीत ने देश की आज़ादी की लड़ाई में असंख्य देशभक्तों को प्रेरित किया और आज भी यह उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता संग्राम के समय था। राठौड़ ने आगे कहा कि युवाओं को चाहिए कि वे अपने इतिहास और संस्कृति से जुड़े रहें, क्योंकि राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के संकल्प और समर्पण पर निर्भर करता है। उन्होंने प्रतिभागियों को देशभक्ति की भावना को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया और विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम के महान बलिदानों से जोड़ते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और युवाओं से अपील की कि वे अपने जीवन में देशभक्ति और समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाएं।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत बूंदी पुलिस-परिवहन विभाग की बड़ी कार्यवाही

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत पुलिस और परिवहन विभाग ने कठोर रुख अपनाते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की हैं। वृताधिकारी अरूण कुमार और जिला परिवहन अधिकारी सौम्या शर्मा के नेतृत्व में उड़नदस्तों ने जिलेभर में जांच अभियान चलाया।

40 चालान और 2 लाख का जुर्माना-

संयुक्त टीमों ने यात्री और मालवाहक वाहनों की गहन जाँच की। इस दौरान क्षमता से अधिक सवारी भरकर चलने वाले यात्री वाहनों और ओवरलोड मालवाहकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। विभाग ने कुल 40 चालान जारी करते हुए उल्लंघनकर्ताओं पर 2 लाख रुपये का जुर्माना आरोपित किया। जिला परिवहन अधिकारी सौम्यार शर्मा ने बताया कि यह अभियान जिले में लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्ती बरती जाएगी। सदर थानाधिकारी रमेश आर्य और परिवहन निरीक्षक हंसराज मीणा व धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में चली इस कार्यवाही के दौरान, बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट लगाकर वाहन चला रहे चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। उन्हें भविष्य में नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई।

जिले में एसआईआर का जमीनी स्तर पर सुचारू रूप से हो रहा क्रियान्वयन

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सभी गतिविधियां निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी टी ने बताया कि जिले के सभी मौजूदा मतदाताओं के लिए नए गणना फॉर्म ईएफ घर-घर जाकर वितरण का काम चारों विधानसभा क्षेत्रों में शुरू हो चुका है। वर्तमान मतदाताओं की विगत एसआईआर मतदाता सूची के साथ मैपिंग जारी जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विगत एसआईआर की मतदाता सूची में अगर किसी वर्तमान मतदाता के माता-पिता, दादा-दादी आदि का नाम शामिल है तो सटीक और सत्यापित पारिवारिक संबंध के माध्यम से वंशावली मैपिंग की जा रही है। उन्होंने ने बताया कि जिले में 40 वर्ष से अधिक आयु के विधानसभा क्षेत्र 77-बसेड़ी के 77 हजार 13, 78-बाड़ी के 88 हजार 961, 79-धौलपुर के 77 हजार 786 तथा 80-राजाखेड़ा के 82 हजार 687 कुल 3 लाख 26 हजार 447 मतदाताओं 88.49 प्रतिशत की मैपिंग की जा चुकी है, इसके साथ ही 40 वर्ष एवं इससे कम आयु के विधानसभा क्षेत्र 77-बसेड़ी के 87 हजार 479, 78-बाड़ी के 95 हजार 836, 79-धौलपुर के 71 हजार 647 तथा 80-राजाखेड़ा के 73 हजार 16 कुल 3 लाख 27 हजार 978 मतदाताओं 59.75 प्रतिशत की भी मैपिंग उनके परिवारजन के विवरण की सहायता से कर ली गई है,

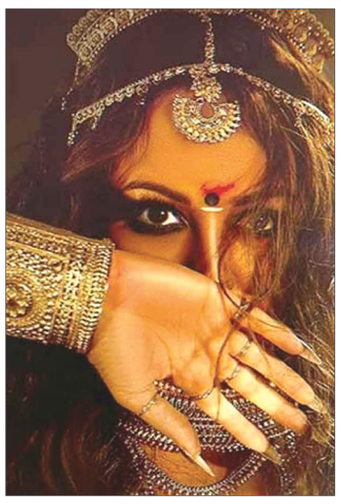

प्रेरणा अरोड़ा की फिल्म 'जटाधारा' ने दूसरे दिन भी कायम रखा अपना दबदबा!

ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित तेलुगु फिल्म जटाधारा ने टिकट खिड़की पर शानदार शुरुआत की है। जहां पहले दिन फिल्म ने 1.47 करोड़ रूपये की कमाई की थी, वहीं दूसरे दिन भी फिल्म ने स्थिरता बनाए रखते हुए लगभग 1.10 करोड़ रूपये की कमाई की है। दर्शकों के बीच फैल रही सकारात्मक तारीफें फिल्म की लोकप्रियता को और बढ़ा रही है, और दूसरे दिन की कमाई इसका प्रमाण है। तेलुगु मूल की किसी फिल्म का हिंदी में एक साथ रिलीज़ होकर इतने अच्छे आंकड़े दर्ज करना बेहद सराहनीय है। हिंदी बेल्ट में दर्शक फिल्म को खूब पसंद कर रहे हैं, वहीं तेलुगु राज्यों में यह फिल्म अपने जॉनर में कल्ट हिट बन चुकी है। फिल्म की असाधारण कहानी, सुधीर बाबू की दमदार मौजूदगी और सोनाक्षी सिन्हा का इंटेंस व रहस्यमय अंदाज़ फिल्म को मज़बूत वीकेंड की ओर ले जा रहा है। फिल्म में दिव्या खोसला का स्पेशल अपीयरेंस है, जबकि शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकाला और शुभलेखा सुधाकर जैसे प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में नज़र आ रहे हैं। जटाधारा एक द्विभाषी (बाइलिंगुअल) सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसे ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा ने प्रस्तुत किया है। फिल्म का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है, जबकि अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा सह-निर्माता हैं। दिव्या विजय ने क्रिएटिव प्रोड्यूसर और भविनी गोस्वामी ने सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर की भूमिका निभाई है। ज़ी म्यूज़िक कंपनी द्वारा समर्थित फिल्म का संगीत और साउंड डिज़ाइन इसकी आत्मा है। जटाधारा इस साल की सबसे भव्य और विज़ुअली शानदार सिनेमैटिक अनुभवों में से एक मानी जा रही है, जो आस्था, नियति और प्रकाश व अंधकार के अनंत संघर्ष की एक महाकाव्यात्मक कथा है।

विजय देवरकोंडा के लिए किसी भी हद तक जा सकती हूं - रश्मिका मंदाना

नेशनल क्रश कहलाई जाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की नई फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इसी दौरान रश्मिका मंदाना ने अपनी शादी को लेकर दिल छू लेने वाला बयान दिया है। हाल ही में एक इवेंट में रश्मिका ने कहा कि वो विजय देवरकोंडा से शादी करना चाहती हैं और अपने जीवनसाथी के लिए वे किसी भी हद तक जा सकती हैं, यहां तक कि गोली खाने को भी तैयार हैं। रश्मिका ने कहा- मुझे ऐसा इंसान चाहिए जो समझने के लिए तैयार हो। कोई ऐसा जो सचमुच अच्छा हो और जो मेरे साथ या मेरे लिए जंग लड़ सके। अगर कल मेरे खिलाफ जंग हुई, तो मुझे पता है कि वो इंसान मेरे साथ लड़ेगा। मैं भी वैसा ही करूंगी। मैं उसके लिए किसी भी दिन गोली खाने को तैयार हूं।? उन्होंने यह भी बताया कि उनका आदर्श जीवनसाथी वही होगा जो जिंदगी को गहराई से समझे और हर परिस्थिति को अपने दृष्टिकोण से देखे। उसी इवेंट में रश्मिका ने मजाकिया अंदाज में बताया कि अगर उनसे पूछा जाए कि वे किन अभिनेताओं को डेट, शादी या मार डालेंगी, तो वे शादी के लिए विजय देवरकोंडा का नाम लेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका और विजय ने हाल ही में सगाई कर ली है और दोनों 26 फरवरी 2026 को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों की जोड़ी बॉलीवुड और साउथ की जनता में बहुत पसंद की जा रही है। फिल्म द गर्लफ्रेंड के प्रमोशन के दौरान रश्मिका के ये शब्द सुर्खियां बटोर रहे हैं, और फैंस उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मेंटल हेल्थ पर बोले विजय वर्मा, डिप्रेशन से उबरने में आमिर खान की बेटी ने थामी डोर

विजय वर्मा ने अपने गंभीर डिप्रेशन और एंग्जायटी के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि कैसे आमिर खान की बेटी इरा खान ने उन्हें इस मुश्किल दौर से उबरने में अहम मदद की। इरा ने उन्हें वर्कआउट और थेरेपी लेने के लिए प्रेरित किया, जिसके बाद विजय ने योग और चिकित्सा का सहारा लेकर खुद को संभाला, जो बॉलीवुड में मानसिक स्वास्थ्य पर खुली चर्चा का एक महत्वपूर्ण कदम है। बॉलीवुड एक्टर विजय वर्मा ने पहली बार अपने मेंटल हेल्थ के बारे में खुलकर बात की है। विजय ने बताया कि उन्हें गंभीर डिप्रेशन और चिंता का सामना करना पड़ा था और उन्होंने इससे उबरने के लिए योग और थेरेपी का सहारा लिया। मैं मुंबई में एक अपार्टमेंट में बिल्कुल अकेला था। खुशकिस्मती से मेरे पास एक छोटी सी छत थी–मैं आसमान देख सकता था, प्राकृतिक तत्वों के साथ रह सकता था। वरना, मैं पागल हो जाता। दरअसल, मैं पागल हो गया था। मेरे साथ जो हुआ, वो ठहराव, काम के पीछे लगातार भागना, इसका नतीजा ये होता है कि आप बहुत अकेले हो जाते हैं। मुझे बहुत अकेलापन महसूस हुआ, बहुत डर लगा और मैं सोच रहा था कि मैं चार दिनों से अपने सोफे से क्यों नहीं हिल पा रहा हूं? क्या हो रहा है? एक्टर ने आगे बताया कि कैसे आमिर खान की बेटी इरा खान ने उस समय उनकी मदद की। विजय ने कहा, उस समय, इरा और गुलशन (देवैया)मेरे लिए एक छोटे से सपोर्ट सिस्टम की तरह थे। इरा दहाड़ में असिस्ट कर रही थीं और शूटिंग के दौरान हम सब अच्छे दोस्त बन गए थे। हम जूम पर एक-दूसरे को वीडियो कॉल करते, डिनर करते - बस यही हमारा सर्कल था। लेकिन मेरी हालत बिगड़ती जा रही थी। उन्होंने सबसे पहले मुझे बताया, विजय, मुझे लगता है कि तुम्हें थोड़ा हिलना-डुलना शुरू करना चाहिए। इरा खान जूम पर वर्कआउट करतीं और मुझे भी वर्कआउट करवातीं।

आयुर्वेद ने बदली तमन्ना भाटिया की जिंदगी

बताया क्यों है आज की पीढ़ी को आयुर्वेद की जरूरत

तमन्ना भाटिया अपनी एक्टिंग के लिए तो जानी ही जाती है, लेकिन उनकी खूबसूरती और फिटनेस हमेशा चर्चा का विषय रही हैं। एक्ट्रेस घंटों शूटिंग के दौरान काम करती हैं लेकिन फिर भी एनर्जेटिक महसूस करती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि तमन्ना आयुर्वेद की पुरानी पद्धति को फॉलो करती हैं? आयुष मंत्रालय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तमन्ना भाटिया का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने ऑयल पुलिंग और आयुर्वेद द्वारा उनके जीवन में आए बदलावों पर बात की है। वीडियो में तमन्ना कहती हैं, आयुर्वेद पिछले एक साल से मेरी जिंदगी का जरूरी हिस्सा रहा है। मैंने आयुर्वेद का सहारा लेकर डाइट और जीवनशैली में बदलाव किया। इन बदलावों ने मेरी जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया। मुझे लगता है कि हम लोग प्राचीन पद्धति को हल्के में लेते हैं, लेकिन इस सोच को बदलने की जरूरत है, खासकर आज की पीढ़ी के लिए। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि किसी भी पीढ़ी को उतनी आयुर्वेद की जरूरत महसूस नहीं हुई है जितनी हमारी पीढ़ी को हो रही है। हमें सबसे पहले अपनी जीवनशैली को बदलने की जरूरत है क्योंकि वो टॉक्सिक हो गई है। बीते साल मैंने ऑयल पुलिंग सीखा और कोविड के समय ये भी जाना कि कैसे धीरे-धीरे चबाते हैं। ये चीजें सुनने में बहुत सिंपल लगती हैं, लेकिन यहीं चीजें गलत तरीके से की जाएं तो हेल्थ को बहुत प्रभावित करती हैं। बता दें कि ऑयल पुलिंग मुंह की बदबू और संक्रमण से बचने का बेहतरीन आयुर्वेदिक उपाय है। इसके लिए नारियल, जैतून या बादाम का तेल लेकर 3-5 मिनट मुंह के अंदर रखना होता है और उसे चारों तरफ घुमाना होता है। ये प्रक्रिया दांत और जीभ को साफ करने के बाद करनी होती है। इसे करने से जितनी भी गंदगी दांतों में बची होती है, वो ऑयल के जरिए बाहर आ जाती है। तमन्ना ने वीडियो में खाने को धीरे चबाने की बात भी की है। आयुर्वेद में इस बात का जिक्र किया गया है कि खाने के एक कौर को तकरीबन 15 से 20 बार चबाना चाहिए। जितने अच्छे तरीके से खाना चबाया जाएगा, उतना अच्छे से ही खाना पचता है।

शाहरुख खान की 'किंग'

कैसे बनी भारत की सबसे महंगी एक्शन फिल्म?

6 धांसू सीक्वेंस पर उड़ाए इतने करोड़

उनकी बेटी सुहाना फिल्म में किस तरह दिखने वाली है। हर कोई यह जानने को एक्साइटेड हैं. क्योंकि यह उनकी ही फिल्म थी, जहां पहले शाहरुख खान को बस कैमियो करना था. लेकिन चीजें बदल गई और देखते ही देखते वो लीड रोल में आ गए. अब दिन-ब-दिन यह फिल्म और बड़ी और बेहतर होती जा रही है. यही वजह है कि सिद्धार्थ आनंद की पिक्चर को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म माना जा रहा है. जानिए फिल्म का बजट और किन 6 धांसू सीक्वेंस की यहां बातें हो रही है जब KING बनने की शुरुआत हुई, उस वक्त शाहरुख खान के एक्सटेंडेड कैमियो की प्लानिंग थी। जिसे तब सुजॉय घोष बना रहे थे। उस समय शुरुआती बजट केवल 150 करोड़ रुपये थी. लेकिन स्क्रिप्ट को और बड़ा और बेहतर बनाने की गुंजाइश थी. ऐसे में सुजॉय घोष के एग्जिट के बाद शाहरुख खान ने सिद्धार्थ आनंद के साथ फिल्म को आगे ले जाने की प्लानिंग कर ली. फिल्म में पहले कभी न देखे गए लेवल पर एक्शन सीक्वेंस डिजाइन किए गए. साथ ही शाहरुख एक ऐसे प्रोड्यूसर हैं, जो ऑडियंस का बेहतरीन सीन्स के साथ मनोरंजन करना पसंद करते हैं। नई रिपोर्ट से पता लगा कि शाहरुख खान ने सिद्धार्थ आनंद को पूरी छूट दी. जिसके चलते 150 करोड़ से बजट सीधा 350 करोड़ रुपये पहुंच गया. हालांकि, शाहरुख खान को सिद्धार्थ का फिल्म के लिए विजन काफी पसंद आया है. जानकारी के मुताबिक, किंग भारत में बनी एक ग्लोबल फिल्म है। पश्चिमी देशों में जिस फिल्म को बनाने में लाखों डॉलर खर्च हो जाते हैं, सिद्धार्थ आनंद उसे पांचवें हिस्से की लागत में पूरा करने की प्लानिंग किए बैठे हैं। ऐसा भी पता लगा कि पिक्चर में 6 धांसू सीक्वेंस हैं, जिन्हें बेहतरीन तरीके से डिजाइन किया गया है। शाहरुख खान की पूरी फिल्म का हाइलाइट ही 6 एक्शन सीक्वेंस पर रहेगा, जिसमें तीन एकदम सही लोकेशन पर शूट हुए हैं. जबकि, बाकी तीन सेट पर शूट किए जाएंगे. खासकर शाहरुख खान के शुरुआती सीन पर भारी भरकम रकम खर्च की गई है. यह फिल्म का सबसे बड़ा हाइलाइट माना जा रहा है, जिसे देखने के बाद सब देखते ही रह जाएंगे। फिल्म को साल 2026 में रिलीज करने की प्लानिंग हो गई है।

शाहरुख खान जल्द धांसू वापसी की तैयारी में हैं. उनके बर्थडे पर जब अपकमिंग फिल्म किंग का पहला लुक सामने आया, तो सोशल मीडिया पर कमेंट्स और पोस्ट की बाढ़ आ गई. वजह है उनकी पिछली तीन फिल्में, जिन्होंने कमाई के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया था. अगली फिल्म का लंबे वक्त से इंतजार था, जो फाइनली अब रिलीज होने जा रही है। इसी बीच पता लगा कि शाहरुख खान की किंग भारत की सबसे महंगी एक्शन फिल्म बन गई है. क्या है वो 6 धांसू सीक्वेंस, जिनपर करोड़ों दांव पर लगाए गए हैं। अब किंग खान लौट रहे हैं, इस बार भी माहौल उसी तरह सेट है, जैसे उनकी पिछली फिल्मों के लिए रहा। बस पिछली बार से इस बार यह फर्क है कि दो ब्लॉकबस्टर और एक हिट देकर कमबैक कर रहे हैं. शाहरुख खान के बर्थडे के मौके पर चढ़ढ़ह्ल का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है, जो हर किसी को काफी पसंद आया. हालांकि,

लिफ्ट से शुरू हुआ पायल रोहतगी और संग्राम सिंह का रिश्ता

रियलिटी शो बिग बॉस और लॉकअप में अपनी बेबाकी से दर्शकों के बीच जगह बनाने वाली पायल रोहतगी आज भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर मोटिवेट करने वाले पोस्ट शेयर करती रहती हैं। वह काफी समय से पर्दे से गायब हैं। हालांकि, उन्हें पॉडकास्ट शो में देखा गया था। पायल रोहतगी का जन्म हैदराबाद में हुआ था। उनकी शुरुआती पढ़ाई हैदराबाद से हुई थी। उन्होंने आगे जाकर कंप्यूटर इंजीनियरिंग में डिग्री ली और करियर मॉडलिंग से शुरू किया। उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाने के साथ-साथ फेमिना मिस इंडिया और मिस टूरिज्म वर्ल्ड में हिस्सा लिया और जीती भी, जिसके बाद उन्होंने विज्ञापन और फिल्मों में काम करना शुरू किया। पायल की फिल्मी जर्नी औसत रही, लेकिन उनकी लव स्टोरी किसी फिल्म से कम नहीं है। दर्शकों को पता है कि पायल और उनके पति, भारतीय पहलवान संग्राम सिंह की पहली मुलाकात 2011 में आए शो सर्वाइवर इंडिया में हुई थी, लेकिन ऐसा नहीं है। खुद संग्राम सिंह ने पॉडकास्ट में बताया था कि दोनों की पहली मुलाकात मथुरा-दिल्ली हाइवे पर हुई थी। उस वक्त पायल की गाड़ी मथुरा के पास खराब हो गई थी और संग्राम कुश्ती के कॉम्पिटिशन से लौट रहे थे। उस वक्त मदद करने की मंशा से संग्राम ने पायल को लिफ्ट दी थी, लेकिन दोनों के बीच किसी तरह की कोई बातचीत नहीं हुई, लेकिन स्टार प्लस के शो सर्वाइवर इंडिया में फिलीपींस में दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी थीं। संग्राम सिंह ने एक शो में खुलासा किया था कि फिलीपींस में शूटिंग के दौरान पायल सबसे अलग-अलग रहती थी, तो मैं उन्हें सबके साथ मिलकर रहने के लिए कहता था। उस वक्त पायल को पैसे की जरूरत थी, और उन्होंने साफ कर दिया था कि वो शो से बाहर नहीं निकलना चाहती हैं। संग्राम ने पायल की बात को समझा और आखिर तक उनका साथ दिया।

तारिक खान जिनके क्या हुआ तेरा वादा पर फिदा हुई हसीनाएं, अब कहां है वो रॉकस्टार?

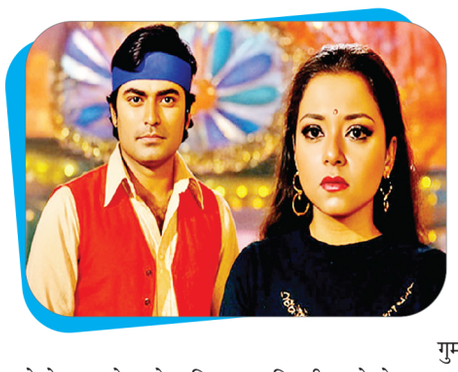

क्या आपको याद है वो गाना क्या हुआ तेरा वादा? जिसने 70 के दशक में लाखों दिलों को जीत लिया था। इसके साथ ही एक चेहरा भी दिलों में बस गया था, वो था तारिक खान का। वही हैंडसम, चॉकलेटी हीरो जो लड़कियों की दिल की धड़कन बन गए थे। आजकल वो न जाने कहां गुमनाम हैं। फिल्म यादों की बारात से डेब्यू करने वाले तारिक खान फिल्मी घराने से ताल्लुक रखते हैं। वह आमिर खान के भाई हैं, लेकिन दिलचस्प बात ये है कि तारिक खान को एक्टिंग में कभी दिलचस्पी थी ही नहीं। वो तो इंजीनियर बनना चाहते थे, मगर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। नासिर हुसैन (आमिर के अंकल) ने जब एक पार्टी में उन्हें डांस करते देखा, तो तय कर लिया कि तारिक ही मेरा हीरो है और इस तरह तारिक पहुंच गए कैमरे के सामने। हम किसी से कम नहीं की रिलीज के बाद तो मानो पूरा देश उनका दीवाना हो गया। गाना क्या हुआ तेरा वादा हिट हुआ, तो तारिक रातोंरात सुपरस्टार बन गए। उनकी मुस्कान, बालों का अंदाज और मासूमियत ने सभी को उनका दीवाना बना दिया था। मगर, जितनी जल्दी स्टारडम मिला, उतनी ही जल्दी वो फिसल भी गया। कुछ फिल्में और आई, पर जादू दोबारा नहीं चला। लगभग 14-15 फिल्मों के बाद तारिक ने इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। उन्होंने न सिर्फ एक्टिंग छोड़ी, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री से भी दूरी बना ली। 9 नवंबर 1951 को जन्में तारिक खान का हुलिया आज पूरी तरह बदल चुका है। 73 साल के तारिक को देखकर कोई नहीं कहेगा कि यही वह स्टार है, जिन्होंने कभी ऋषि कपूर को भी पीछे छोड़ दिया था। तारिक अब लाइमलाइट से दूर, शांत जिंदगी बिता रहे हैं। भले ही वो आज गुमनाम हों, लेकिन जब भी क्या हुआ तेरा वादा बजता है, वो दौर और तारिक खान की मासूमियत सभी के दिलों पर छा जाती है।

सोनम खान ने खुशी का राज किया बेपर्दा-कहा आजाद रहो और अपने फैसले खुद लेना सीखो

कई फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी अभिनेत्री सोनम खान ने शनिवार को खुशी के पीछे के रहस्य को उजागर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट तस्वीरों के साथ लिखा,अगर आप सच में खुश रहना चाहते हैं, तो आपको आजाद रहना होगा और अपने फैसले खुद लेने पड़ेंगे।÷ अभिनेत्री की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। सोनम ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया, लेकिन जल्द ही सिनेमा छोड़ भी दिया था। उन्होंने करियर की शुरुआत 1987 में तेलुगु फिल्म से की थी, लेकिन उन्हें पहचान तिरछी टोपी गाने से मिली थी। अभिनेत्री ने साल 1988 में फिल्म विजय से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने त्रिदेव, अजूबा, और विश्वात्मा जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, अपने करियर के शिखर पर 1991 में उन्होंने निर्देशक राजीव राय से शादी करने के बाद इंडस्ट्री छोड़ दी थी। सोनम खान ने पहली शादी 18 साल की उम्र में डायरेक्टर राजीव राय से मंदिर में की थी। इसके बाद सोनम ने हिंदू धर्म अपना लिया। राजीव राय ने बतौर डायरेक्टर, स्क्रीनराइटर और फिल्म एडिटर काम किया और युद्ध, मोहरा, त्रिदेव जैसी फिल्में डायरेक्ट कीं, जिनमें से एक में सोनम ने काम किया। राजीव और सोनम का एक बेटा है, जिसका नाम गौरव है। 2016 में राजीव और सोनम अलग हो गए थे। बाद में राजीव ने मुंबई छोड़कर ब्रिटेन जाने का फैसला किया। वहीं, सोनम मुंबई में ही रहने लगीं। राजीव राय मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर गुलशन राय के बेटे हैं। उन्होंने दीवार और मोहरा जैसी फिल्में प्रोड्यूस की हैं। गुलशन राय का जन्म पाकिस्तान में हुआ था और बंटवारे के बाद वे परिवार के साथ भारत आ गए और बतौर फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर काम शुरू किया। उन्होंने 1970 में त्रिमूर्ति फिल्म्स की स्थापना की थी।

(साभार एजेंसी)

एटीपी फाइनल्स में ज्वेरेव की आत्मविश्वास भरी शुरुआत, शेल्टन को दी शिकस्त

एजेंसी ▸▸ ट्यूरिन

एटीपी फाइनल्स में अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने अभियान की आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है। जर्मनी के इस स्टार खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के पहले मैच में अमेरिकी युवा खिलाड़ी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(6) से शिकस्त दी। इनाल्पी एरिना में जीत के साथ, अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बेन शेल्टन के साथ एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में 5-0 का रिकॉर्ड बना लिया है। दो बार के एटीपी चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में शेल्टन के 6/4 से आगे होने के बाद दो सेट प्वाइंट का सामना करने के बावजूद अपना संयम बनाए रखा।

■ अलेक्जेंडर ने बेन के साथ एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में 5-0 का रिकॉर्ड बनाया

अलेक्जेंडर ज्वेरेव आठ दिन पहले पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जैनिक सिनर से मिली करारी हार के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह इस मुकाबले में बेहद तरोताजा नजर आए और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया।

शेल्टन ने ज्वेरेव को टाई-ब्रेक के लिए किया मजबूर

दूसरे सेट में अपनी सर्व पर बार-बार दबाव में आने और 2-2 के स्कोर पर दो ब्रेक प्वाइंट बचाने के बावजूद, बेन शेल्टन ने ज्वेरेव को टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया। अमेरिकी खिलाड़ी ने टाई-ब्रेक में 4/0 की बढ़त के साथ जल्द ही निर्णायक सेट के लिए मजबूर कर दिया और बाद में उन्होंने 6/4 पर दो सेट प्वाइंट बनाए। 6/5 पर एक आसान फोरहैंड नेट पर लगाया और ज्वेरेव ने 7-6(6) से यह सेट अपने नाम किया।

शेल्टन दुनिया के सबसे आक्रामक खिलाड़ी : अलेक्जेंडर

इस जीत के बाद अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बेन शेल्टन को सराहा है। उन्होंने शेल्टन को दुनिया के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बताते हुए कहा, वह अविश्वसनीय रूप से आक्रामक खिलाड़ी हैं। शायद दुनिया के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक हैं। टाई-ब्रेक में उन्होंने शानदार शुरुआत की। मैंने शायद एक या दो पहले सर्व मिस किए और उन्होंने जो पासिंग शॉट मारा (5/4 पर) वह बेतुका था। मुझे उन चीजों पर नियंत्रण रखना होगा, जिन्हें मैं नियंत्रित कर सकता हूं। मैंने टाई-ब्रेक के अंत में अच्छा प्रदर्शन किया और इस जीत से बेहद खुश हूं।

खबर संक्षेप

न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज का मैच बारिश के कारण रद्द

नेल्सन। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। न्यूजीलैंड की टीम पांच मैच की श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे है। श्रृंखला का पांचवा और आखिरी मैच गुरुवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज ने पहला मैच सात रन से जीता था। न्यूजीलैंड ने दूसरा मैच तीन रन से और रविवार को तीसरा मैच नौ रन से जीता था। न्यूजीलैंड ने सोमवार को सैक्सटन ओवल में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। लेकिन केवल 6.3 ओवर का खेल ही संभव हो पाया, जिसमें वेस्टइंडीज ने एक विकेट खोकर 38 रन बनाए।

13 से बेंगलुरु में राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप

बेंगलुरु। भारत की पहली राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप 13 से 16 नवंबर तक बेंगलुरु के द स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित की जाएगी।

आयोजकों ने यह घोषणा की। कर्नाटक पिकलबॉल एसोसिएशन (केपीए) इस प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा, जिसमें भाग लेने के लिए 20 से अधिक राज्यों से 1,200 से अधिक आवेदन मिले हैं। यह प्रतियोगिता पुरुष, महिला और मिश्रित प्रारुपों में अंडर-12 से लेकर 70 साल की उम्र से अधिक के विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जाएगी। कर्नाटक पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष हर्ष ने कहा, 'पिकलबॉल ने दुनिया भर में काफी प्रगति की है और भारत सरकार की ओर से इस खेल को मान्यता दिए जाने से इसे एक नई पहचान और दिशा मिली है।'

सेंट जेम्स स्क्वाश के फाइनल में कार्डेनास से हारे वीर

नई दिल्ली। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वीर चोटरानी को अमेरिका के स्प्रिंगफील्ड में पीएसए कॉपर इवेंट

सेंट जेम्स एक्सप्रेशन ओपन के फाइनल में मैक्सिको के शीर्ष वरीयता प्राप्त लियोनेल कार्डेनास से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के 51वें नंबर के खिलाड़ी और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त चोटारानी ने दूसरा गेम जीतकर स्कोर बराबर कर दिया था लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और इसके बाद उन्होंने आसानी से मैच गंवा दिया।

विश्व सुपर कबड्डी लीग ने शेट्टी को बनाया तकनीकी निदेशक

नई दिल्ली। विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले

टूर्नामेंट से पहले अंतरराष्ट्रीय कोच रवींद्र शेट्टी को अपना तकनीकी निदेशक नियुक्त किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी कोच शेट्टी लीग की तकनीकी और प्रतिस्पर्धा रूपरेखा तैयार करेंगे। इसके साथ ही वह खेल संरचना, रेफरी और कोच विकास तथा खेल प्रारूपों में नवाचार से संबंधित काम भी देखेंगे।

मुंबई ने दो दिन में दो बार हिमाचल को किया आउट, दूसरी पारी में 139 रन पर ढेर

रणजी सीजन में मुलानी ने तीसरी बार झटके 5 विकेट मुंबई ने हिमाचल को पारी और 120 रन से हराया

एजेंसी ▸▸ मुंबई

बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी के पांच विकेट की बदौलत मुंबई ने सोमवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के तीसरे दिन हिमाचल प्रदेश को पारी और 120 रन से हरा दिया। रणजी सीजन में मुलानी ने तीसरी बार 5 विकेट झटके है। पहली पारी में 446 रन बनाने के बाद मुंबई ने दो दिन में दो बार हिमाचल को आउट करके सत्र की दूसरी जीत दर्ज की।

मैच के तीसरे दिन हिमाचल की टीम सपाट पिच पर पहली पारी में 187 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में भी टीम अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकी और पुखराज मान की 109 गेंद में नौ चौकों से 65 रन की पारी के बावजूद 139 रन पर ढेर हो गई। हिमाचल ने दिन की शुरुआत पहली पारी में सात विकेट पर 94 रन के स्कोर से की।

मुंबई को जीत से मिले सात अंक मिले

दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे वैभव अरोड़ा ने 61 गेंद में छह चौकों और चार छक्कों से 51 रन की पारी खेली। अरोड़ा ने निखिल गंगटा (नाबाद 64) के साथ नौवें विकेट के लिए 77 रन जोड़े लेकिन इसके बावजूद टीम को फॉलोआन से नहीं बचा पाए। मुंबई ने पहली पारी के आधार पर 259 रन की बढ़त हासिल की। फॉलोआन खेलते हुए हिमाचल की टीम ने मुलानी (37 रन पर पांच विकेट) और मुशीर खान (23 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और पूरी टीम 49.1 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। मुंबई को इस जीत से सात अंक मिले।

रावत के शतक के बावजूद झारखंड के खिलाफ बड़ौदा पिछड़ा

वडोदरा। बड़ौदा के मध्य क्रम के बल्लेबाज शाश्वत रावत ने जुझारू शतक जड़ा लेकिन इसके बावजूद अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे झारखंड ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन पहली पारी के आधार पर 215 रन की बड़ी बढ़त हासिल की। रावत ने 230 गेंद में 106 रन की पारी खेली लेकिन इसके बावजूद बड़ौदा की टीम पहली पारी में 291 रन पर ढेर हो गई। झारखंड ने पहली पारी में 506 रन बनाए थे। झारखंड ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में एक विकेट पर 10 रन बना लिए हैं, जिससे उसकी कुल बढ़त 225 रन की हो गई है। रावत ने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का मारा। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मितेश पटेल (61) के साथ पांचवें विकेट के लिए 123 रन की साझेदारी की लेकिन इसके बावजूद झारखंड को बड़ी बढ़त हासिल करने से नहीं रोक पाए।

ध्रुव शोरे और अमन मोखाडे ने की 199 रन की साझेदारी

नागपुर में ध्रुव शोरे (101) ने मैच का अपना दूसरा शतक जड़ने के अलावा शतकवीर अमन मोखाडे (नाबाद 101) के साथ दूसरे विकेट के लिए 199 रन की साझेदारी की, जिससे विदर्भ ने ओडिशा के खिलाफ दूसरी पारी दो विकेट पर 218 रन पर घोषित करके मेहमान टीम को 345 रन का लक्ष्य दिया। ओडिशा ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 44 रन बना लिए हैं। मेहमान टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 301 रन की दरकार है। दिन का खेल खत्म होने पर स्वस्तिक समल 25 जबकि गौरव चौधरी 17 रन बनाकर खेल रहे थे।

गोवा ने मध्यप्रदेश को 187 पर समेटा

रणजी ट्रॉफी के अपने चौथे मैच की पहली पारी में गोवा ने मध्यप्रदेश को 187 रन के स्कोर पर समेट दिया और पहली पारी में इस टीम को 97 रन की अहम बढ़त मिली। गोवा की तरफ से वासुकी कोशिश ने शानदार बॉलिंग करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लिए तो वहीं अर्जुन तेंदुलकर की गेंदबाजी भी अच्छी रही। मध्यप्रदेश के खिलाफ पहली पारी में अर्जुन तेंदुलकर ने 12 ओवर में 34 रन देकर 2 विकेट झटके तो वहीं वासुकि कौशिश ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 19 ओवर में 34 रन देकर 5 विकेट लिए।

शतरंज विश्व कप

चौथे दौर में एरिगैसी, प्रज्ञाननंदा प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी ▸▸ पणजी

भारत के शीर्ष ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी, आर. प्रज्ञाननंदा और पी. हरिकृष्णा फिडे विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट के पहले विश्राम दिवस के बाद चौथे दौर में भी अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे।

भारत के सर्वोच्च रेटिंग प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन चौथे दौर में हंगरी के अनुभवी पीटर लेको के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे, जबकि प्रज्ञाननंदा का सामना फिडे के ध्वज तले खेल रहे डेनियल डुबोव से होगा। तीनों भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अनुभवी हरिकृष्णा अगले दौर में स्वीडन के निल्स ग्रैंडेलियस से भिड़ेंगे।

लेको का अर्जुन से सामना करना आसान नहीं

लेको पिछले 20 वर्ष से शतरंज की दुनिया में जाना पहचाना नाम है। उनके लिए हालांकि अर्जुन का सामना करना आसान नहीं होगा। हंगरी के इस 46 वर्षीय खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के बॉबी चेंग और ऑस्ट्रिया के किरील अलेक्सेन्को को बिना किसी टाईब्रेक गेम के हराया, जिससे उनकी फॉर्म का पता चलता है। अर्जुन ने भी अपने दोनों मैच बिना किसी टाईब्रेकर के जीते, जिससे लेको के खिलाफ उनका मुकाबला रोमांचक होने की संभावना है। इस भारतीय खिलाड़ी ने अब तक क्लासिकल टाइम कंट्रोल के तहत अपने चार में से तीन गेम जीते हैं। उन्होंने इस दौरान बुल्गारिया के मार्टिन पेट्रोव और उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव को बाहर का रास्ता दिखाया।

प्रज्ञाननंदा का सामना डुबोव से

इस बीच दर्शकों के पसंदीदा प्रज्ञाननंदा का सामना डुबोव से होगा, जो रणनीतिक चाल चलने में माहिर माने जाते हैं। रूस के खिलाड़ी ने चीन के बाई जिंशी और उरुग्वे के जॉर्ज मायर के खिलाफ दो टाईब्रेक गेम में जीत दर्ज करके अपने कौशल का अच्छा परिचय दिया है। प्रज्ञाननंदा दूसरे राउंड में ही बाहर होने के करीब थे, लेकिन किसी तरह ऑस्ट्रेलिया के तैमूर कुयबोकारोव के खिलाफ टाईब्रेकर में बच गए। उन्होंने तीसरे राउंड के अपने प्रतिद्वंद्वी अर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान पर जीत हासिल की।

अपार अनुभव पर निर्भर होंगे हरिकृष्णा : हरिकृष्णा ने रूस के आर्सेनी नेस्टरोव और बेल्जियम के डेनियल दर्धा पर आसान जीत के साथ यहां तक का सफर तय किया। वह चौथे राउंड में ग्रैंडेलियस को हराने के लिए अपने अपार अनुभव पर निर्भर होंगे।

महिला क्रिकेट टीम को पहली बार मिल सकता है विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम को निकट भविष्य में अपना पहला विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मिलने की पूरी संभावना है। बीसीसीआई ने पहले ही बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग विभाग में कई भर्तियां की हैं।

बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच नाथन कीली भारतीय बोर्ड के साथ बातचीत कर रहे हैं और संभावना है कि वह सीओई में शामिल हो सकते हैं। भारतीय महिला टीम की वर्तमान स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एआई हर्षा ने विश्व कप में खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी लेकिन पता चला है कि बीसीसीआई उनको कोई और कार्य देना चाहता है। बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के साथ काम करने के अलावा कीली ने न्यू साउथ वेल्स की प्रथम श्रेणी टीम के सहायक कोच के रूप में भी काम किया है। अब तक सीओई से जुड़े व्यक्ति को ही महिला क्रिकेट टीम का स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच नियुक्त किया जाता रहा है, लेकिन अगर कीली इसमें शामिल होते हैं तो वह पहले विदेशी कोच हो सकते हैं। भारतीय पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ हैं। भारतीय टीम के साथ उनका यह दूसरा कार्यकाल है।

अब हर खिलाड़ी के पास होगा अपना एआई कोच

जबलपुर। अब क्रिकेट और खेलों की ट्रेनिंग में आएगा टेक्नोलॉजी का नया दौर। यूके की एआई स्पोर्ट्स टेक कंपनी काबुनी ने भारत में लॉन्च किया ऐसा प्लेटफॉर्म, जो खिलाड़ियों की प्रैक्टिस को रिकॉर्ड कर रियल टाइम एनालिसिस और पर्सनलाइज्ड कोचिंग प्रदान करेगा। सौरव गांगुली, जो इसके ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर हैं, ने कहा कि अब हर बच्चे को प्रोफेशनल लेवल की कोचिंग मिल सकेगी। काबुनी की एआई टेक्नोलॉजी मशीन लर्निंग और बायोमैकेनिक्स के जरिए हर मूवमेंट चाहे कवर ड्राइव हो या बॉलिंग एक्शन का विश्लेषण कर तुरंत फीडबैक देती है। कंपनी के सीईओ नीमेश पटेल ने कहा कि काबुनी आने वाले दस वर्षों में 100 करोड़ भारतीयों को अधिक सक्रिय और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करेगा। फिलहाल यह प्लेटफॉर्म क्रिकेट से शुरुआत कर रहा है, जल्द ही टेनिस, बैडमिंटन, गोल्फ और अन्य खेलों में भी विस्तार करेगा।

सौरव गांगुली ने लॉन्च किया काबुनी स्पोर्ट्स टेक प्लेटफॉर्म

बार्सिलोना की शानदार जीत लेवांडोव्स्की ने मारी हैट्रिक

मैड्रिड। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की की हैट्रिक की मदद से बार्सिलोना शानदार जीत हासिल करके स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा में शीर्ष पर काबिज रियाल मैड्रिड के करीब पहुंच गया है। रियाल मैड्रिड की अपनी बढ़त मजबूत करने की उम्मीद को तब करारा झटका लगा जब रायो वेलेकानो ने उसे गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। इसके बाद लेवांडोव्स्की और लेमिन यामल ने बार्सिलोना को सेल्टा विगो पर 4-2 से जीत दिलाई। इससे बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच केवल तीन अंक का अंतर रह गया है। बार्सिलोना से हार झेलने के कारण सेल्टा की सभी टूर्नामेंटों में लगातार पांच मैचों की जीत का सिलसिला रुक गया। विलारियल ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर लीग में लगातार तीसरी जीत हासिल की। वह रियाल मैड्रिड से पांच अंक पीछे तीसरे स्थान पर जबकि एटलेटिको मैड्रिड छह अंक पीछे चौथे स्थान पर है। एटलेटिको ने शनिवार को घरेलू मैदान पर लेवांते को 3-1 से हराया था।

आज से शुरू 475,000 डॉलर का जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट

लय हासिल करने पर लक्ष्य और प्रणय की निगाहें

एजेंसी ▸▸ कुमामोटो

भारतीय शटलर एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन मंगलवार 11 नवंबर से शुरू हो रहे 475,000 डॉलर इनामी कुमामोटो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपनी लय फिर से हासिल करने की कोशिश करेंगे।

लक्ष्य मौजूदा सत्र में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्हें यहां सातवीं वरीयता दी गई है। अल्मोड़ा के इस 24 वर्षीय खिलाड़ी को पहले दौर में जापान के कोकी वतनबे की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय को ओलंपिक से पहले चिकनगुनिया होने के बाद से संघर्ष करना पड़ रहा है। वह एक महीने से ज्यादा समय के ब्रेक के बाद वापसी करेंगे। वह मलेशिया के जुन हाओ लियोंग के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे।

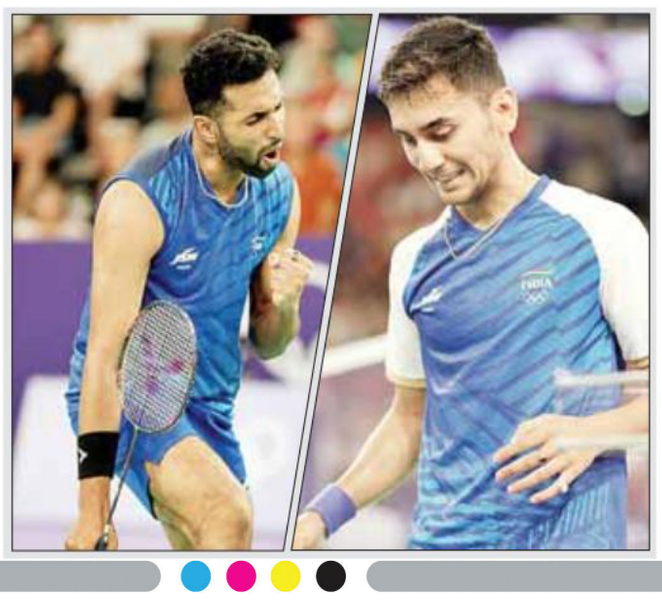

शेट्टी पहले दौर में भिड़ेंगे विटिडसार्न से

अमेरिकी ओपन विजेता आयुष शेट्टी पहले दौर में थाईलैंड के शीर्ष वरीयता प्राप्त कुनलावुत विटिडसार्न से भिड़ेंगे।

मकाऊ ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली का मुकाबला कोरिया के जियोन ह्योक जिन से होगा, जबकि किरण जॉर्ज का मुकाबला क्वालीफायर से होगा। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गादे का मुकाबला प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की अमेरिकी जोड़ी से होगा।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप में ग्रुप सी में भारत

नई दिल्ली। भारत को अगले साल थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप फाइनल के कड़े ग्रुप सी में जापान, ऑस्ट्रेलिया और चीनी ताइपे के साथ रखा गया है। ड्रॉ बैंकॉक में आयोजित किया गया। बीस साल बाद महाद्वीपीय महिला अंडर-20 टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत जापान के खिलाफ करेगी, उसके बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर चीनी ताइपे से भिड़ेगी। ग्रुप ए में मेजबान थाईलैंड को चीन, वियतनाम और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में वर्तमान अंडर-20 विश्व चैंपियन उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, उज्बेकिस्तान और जोर्डन शामिल हैं। यह टूर्नामेंट तीन स्थानों पर खेला जाएगा, जिसमें बैंकॉक का राजमंगला राष्ट्रीय स्टेडियम, पथुम थानी का थम्मासैट स्टेडियम और पथुम थानी स्टेडियम शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया 2024 में तीसरे स्थान पर रहा जबकि चीनी ताइपे ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था।

राष्ट्रपति मुर्मू दो देशों की छह दिवसीय राजकीय यात्रा के तहत अंगोला पहुंचीं

» लुआंडा, भाषा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपनी छह दिवसीय राजकीय यात्रा के पहले चरण में शनिवार को अंगोला पहुंचीं जिसके बाद वह पड़ोसी देश बोत्सवाना भी जाएंगी। मुर्मू आठ नवंबर से 13 नवंबर तक राजकीय यात्रा पर रहेंगी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस राजकीय यात्रा को अफ्रीकी क्षेत्र में दोनों देशों के साथ सहयोग और साझेदारी के विस्तार के लिए नए रास्ते खोलने के भारत के प्रयासों का हिस्सा बताया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा है। अंगोला के विदेश मंत्री टेटे एंटोनियो एवं दोनों देशों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने देश की राजधानी लुआंडा स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुर्मू का स्वागत किया। अगले तीन दिन राष्ट्रपति यहां उच्च-स्तरीय बैठकें करेंगी।

इस दौरान वह अपने अंगोलाई समकक्ष जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी और अफ्रीकी राष्ट्र की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगी। राष्ट्रपति का अंगोला की संसद को संबोधित करने और भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करने का भी कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) सुधाकर दलेला ने बृहस्पतिवार को कहा था, राष्ट्रपति मुर्मू आठ से 13 नवंबर तक अंगोला और बोत्सवाना की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की अंगोला और बोत्सवाना की पहली राजकीय यात्रा होगी। उन्होंने कहा था, भारत और अंगोला के बीच मैत्री और सहयोग के बहुत घनिष्ठ संबंध हैं जिनका विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार हो रहा है। अंगोला के साथ ऊर्जा क्षेत्र में हमारी साझेदारी जीवंत है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के सम्पूर्ण आयाम की समीक्षा करने तथा कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा, व्यापार एवं निवेश, प्रौद्योगिकी, अवसंरचना विकास, रक्षा और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। सचिव ने कहा कि दोनों देश इस वर्ष अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, ऐसे में यह यात्रा और भी महत्व रखती है। मुर्मू ग्यारह नवंबर को अपनी यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत करेंगी और बोत्सवाना की राजधानी गबोरोन जाएंगी। वहां वह अपने समकक्ष ड्यूमा गिदोन बोको से मुलाकात करेंगी, राष्ट्रीय सभा को संबोधित करेंगी और प्रोजेक्ट चीता के तहत भारत में चीतों के स्थानांतरण से संबंधित एक कार्यक्रम में भाग लेंगी। सचिव ने कहा, हमें विश्वास है कि राष्ट्रपति की यात्रा से अंगोला और बोत्सवाना के साथ भारत के दीर्घकालिक सहयोगात्मक संबंध और मजबूत होंगे तथा हमारी साझेदारी एवं सहयोग के विस्तार के लिए नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा था, यह अफ्रीकी महाद्वीप के साथ अपनी बहुमुखी साझेदारी को और मजबूत करने की भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इस यात्रा में राष्ट्रपति के साथ रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और लोकसभा सदस्य प्रभुभाई वसावा और डी. के. अरुणा भी हैं।

फ्लोरिडा के एक बार में घुसी कार, चार लोगों की मौत और ग्यारह अन्य घायल

न्यूयॉर्क, भाषा। अमेरिका के टाम्पा जिले में शुक्रवार रात को पुलिस से बचकर भागने की कोशिश कर रहे कार चालक ने वाहन भीड़भाड़ वाले बार में मौजूद लोगों के बीच घुसा दिया। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। टाम्पा रात के समय में भी चहल पहल और पर्यटन के लिए मशहूर है। टाम्पा पुलिस विभाग ने एक बयान में कहा कि एक हवाई गश्ती दल ने रात लगभग 12 बजकर 40 मिनट पर एक मार्ग पर तेज गति से चल रही कार को देखा था। चालक बड़ी लापरवाही से वाहन चला रहा था। इस कार को इससे पहले एक अन्य इलाके में सड़क पर रेस लगाते देखा गया था। फ़्लोरिडा में राजमार्गों पर गश्त करने वाली फ्लोरिडा हाईवे पेट्रोल ने गाड़ी की पहचान की और उसे रोकने की कोशिश की लेकिन यह प्रयास असफल रहा। पुलिस ने बताया कि जैसे ही गाड़ी टाम्पा के मध्य में स्थित ऐतिहासिक यबोर सिटी की ओर तेजी से बढ़ी हाईवे पेट्रोल के अधिकारियों ने गाड़ी को रोकने की कोशिश की जिससे बचने के लिए चालक ने गाड़ी की गति तेज कर दी और वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार ब्रैडलीज ऑन सेवेंथ बार के बाहर 12 से अधिक लोगों की भीड़ में जा घुसी। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और चौथे की अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर तक दो लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, सात की हालत स्थिर बताई गई है और दो को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। इसके अलावा दो लोग ऐसे भी थे जिन्हें मामूली चोटें आई थीं और उन्होंने घटनास्थल पर उपचार लेने से इनकार कर दिया।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान शांति वार्ता

शांति वार्ता विफल रहने के लिए पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान ने एक दूसरे को ठहराया जिम्मेदार

» इस्लामाबाद, भाषा।

तुर्किए के शहर इस्तांबुल में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शांति वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो जाने के लिए दोनों देश एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। हाल के हफ्तों में सीमा पर हुए भीषण संघर्ष के बाद तनाव बढ़ गया है जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए हैं। काबुल में नौ अक्टूबर को कई विस्फोटों के बाद हिंसा भड़क गई। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने आरोप है कि ए पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन हमले थे। कतर की मध्यस्थता में 19 अक्टूबर को हुए संघर्षविराम के बाद झड़पें कम हुईं। अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने वार्ता की विफलता के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वार्ता में पाकिस्तान की मांगें अनुचित थीं जिससे बातचीत आगे नहीं बढ़ सकी तथा बैठक बेनतीजा रही।

उन्होंने कहा कि वार्ता फिलहाल ठप है। शनिवार को दक्षिणी अफगान शहर कंधार में प्रेस वार्ता के दौरान मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान क्षेत्र में असुरक्षा नहीं चाहता है और युद्ध का हिस्सा बनना हमारा पहला विकल्प नहीं है.... लेकिन अगर युद्ध छिड़ता है, तो हमें अपनी रक्षा करने का अधिकार है। इस्तांबुल में दो दिवसीय वार्ता की मध्यस्थता तुर्किए और कतर ने की थी। यह शांति वार्ता का तीसरा दौर था। अधिकारियों ने कहा कि पिछले दरवाजे से गहन कूटनीति के बावजूद शुक्रवार देर रात चर्चा बिना किसी ठोस प्रगति के रुक गई। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार देर रात निजी जियो न्यूज चैनल को बताया कि बातचीत खत्म हो गई है और पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल भविष्य की किसी भी बैठक की योजना के बिना देश लौट रहा है। उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम तब तक लागू रहेगा जब तक अफगान पक्ष द्वारा इसका उल्लंघन नहीं किया जाता। यह वार्ता 29 अक्टूबर को दोहा में शुरू हुई थी, जिसमें कतर और तुर्किए ने 11 से 15 अक्टूबर के बीच सशस्त्र झड़पों के बाद दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की थी। पहला दौर बिना किसी ठोस प्रगति के समाप्त हो गया लेकिन दोनों पक्ष 25 अक्टूबर को इस्तांबुल में एक और दौर की वार्ता के लिए सहमत हुए। वह भी बेनतीजा रही। तीसरे और नवीनतम दौर का भी यही हश्र हुआ। पाकिस्तान अफगानिस्तान के तालिबान शासकों पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पनाह देने का लगातार आरोप लगाता रहा है। टीटीपी 2021 से पाकिस्तान के अंदर हमलों में वृद्धि के लिए जिम्मेदार एक आतंकवादी संगठन है। हालांकि, अफगानिस्तान इन आरोपों से इनकार करता है और उसका कहना है कि वह दूसरे देशों के खिलाफ अपनी सरजमीं के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देता है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हैं सोलह लाख से अधिक बाल मजदूर

कराची, भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 16 लाख से अधिक बच्चे बालश्रम में लगे हुए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल के एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए रविवार को यह जानकारी दी। सिंध के श्रम महानिदेशक सैयद मुहम्मद मुर्तजा अली शाह ने बताया कि पांच से 17 वर्ष तक के बच्चों की सुरक्षा के लिए कानूनों को अद्यतन करने और लागू करने के सरकार के प्रयासों के बावजूद बाल श्रम देश में एक बड़ी समस्या बनी हुई है जुलाई-अगस्त में यूनिसेफ और सांख्यिकी ब्यूरो की तकनीकी सहायता से उनके विभाग द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला कि प्रांत में 16 लाख से अधिक (5-17 वर्ष की आयु के 10.3 प्रतिशत) बच्चे बाल श्रम में लगे हुए हैं। शाह ने कहा, अन्य प्रांत भी अब बाल श्रम पर नए सर्वेक्षण कर रहे हैं लेकिन सिंध में हमने पाया कि लगभग आठ लाख बच्चे (10-17 वर्ष की आयु के 50.4 प्रतिशत) खतरनाक और शोषणकारी परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि केवल 40.6 प्रतिशत कामकाजी बच्चे ही स्कूल जाते हैं, जबकि गैर-कामकाजी बच्चों में यह प्रतिशत 70.5 है कंबर शाहदादकोट जिले में सबसे ज्यादा 30.8 प्रतिशत बाल श्रम है, उसके बाद थारपारकर में 29 प्रतिशत, टांडो मुहम्मद खान में 20.3 प्रतिशत और शिकारपुर में 20.2 प्रतिशत है। कराची में यह दर सबसे कम 2.38 प्रतिशत है। शाह ने कहा कि प्रांतीय सरकार कानूनों को अद्यतन करने, बाल श्रम की अवैधताओं के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए परियोजनाओं को बढ़ाने और यहां तक कि बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्यस्थलों पर छापे मारने पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने इस समस्या को कम करने और ख़त्म करने के लिए एक विशेष बल का भी गठन किया है।

न्यूज ब्रीफ

प्रवासियों को लेकर म्यांमा से आ रही नाव मलेशिया के तट पर पलटी, एक शव बरामद, 10 बचाए गए

» कुआलालंपुर (मलेशिया), भाषा।

म्यांमा से लगभग 300 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव पिछले सप्ताह थाईलैंड और मलेशिया की सीमा के पास हिंद महासागर में पलट गई। एक शव समुद्र में तैरता हुआ मिला, 10 लोगों को बचा लिया गया और कई अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। नाव के डूबने का समय और सटीक स्थान तत्काल ज्ञात नहीं हो सका। एक मलेशियाई अधिकारी ने कहा कि जहाज संभवतः थाई जलक्षेत्र में पलट गया था तथा चेतावनी दी कि खतरनाक समुद्री मार्गों का उपयोग करके प्रवासियों का शोषण करने में सीमा पार के गिरोह तेजी से सक्रिय हो रहे हैं।

एक पुलिस प्रमुख ने बताया कि बचाए गए लोगों में से कुछ रोहिंग्या मुसलमान हैं जो मुख्य रूप से म्यांमा में रहते हैं, जहां उन्हें दशकों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। मलेशियाई समुद्री प्रवर्तन एजेंसी के प्रथम एडमिरल रेमली मुस्तफा ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि नाव म्यांमा के रखाइन राज्य के बुथीदांग शहर से रवाना हुई थी और तीन दिन पहले डूब गई। एजेंसी ने शनिवार को मलेशिया के उत्तरी रिसॉर्ट द्वीप लंगकावी के पास पानी में कई जीवित बचे लोगों के पाए जाने के बाद खोज और बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि म्यांमार की रहने वाली एक महिला का शव समुद्र में तैरता हुआ मिला। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से कम से कम 10 लोगों को बचाया गया, जिनमें एक बांग्लादेशी और कई म्यांमा के लोग शामिल हैं।

भारतीय दूत और इंटेल के सीईओ ने भारत के लिए सेमीकंडक्टर और एआई योजनाओं पर चर्चा की

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने इंटेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) लिप बू टैन के साथ भारत में कंपनी की सेमीकंडक्टर एवं एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) पहलों एवं योजनाओं पर चर्चा की। डिजिटल माध्यम से शनिवार को यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब नई दिल्ली इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और इंडियाएआई पहल के तहत अपने सेमीकंडक्टर और एआई उद्योगों को मजबूत करने के प्रयासों में तेजी ला रही है। क्वात्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, इंटेल के सीईओ लिप बू टैन के साथ बातचीत करके खुशी हुई।

उनसे इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और इंडियाएआई के तहत भारत में सेमीकंडक्टर और एआई उद्योग को विकसित करने के सरकार के लक्ष्य के अनुरूप इंटेल की पहलों और भारत में परिचालन की योजनाओं पर चर्चा की। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब भारत अगले साल फरवरी में एक महत्वपूर्ण एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। भारत-एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026 नई दिल्ली में 19-20 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला वैश्विक स्तर का पहला एआई शिखर सम्मेलन होगा। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित राष्ट्र के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं।

यूक्रेन के हमलों से रूस के दो प्रमुख शहरों में बिजली आपूर्ति बाधित

» कीव, भाषा।

यूक्रेन द्वारा शनिवार रात किए गए हमलों के कारण उसकी सीमा से लगते रूस के दो प्रमुख शहरों में बिजली आपूर्ति और हीटिंग प्रणाली बाधित हो गई। स्थानीय रूसी अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। रूस और यूक्रेन एक-दूसरे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर लगभग प्रतिदिन हमले कर रहे हैं। लगभग चार साल से जारी युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले कूटनीतिक प्रयास बेनतीजा साबित हो रहे हैं। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने बताया कि ड्रोन हमले के कारण वोरोनिश के कुछ हिस्सों में अस्थाई रूप से बिजली बाधित हो गई और हीटिंग सिस्टम (सर्दियों में इमारतों या संयंत्रों को गर्म रखने की प्रणाली) ठप हो गई।

उन्होंने कहा कि दस लाख से ज्यादा की आबादी वाले शहर के ऊपर रात में कई ड्रोन को मार गिराया गया लेकिन उनके मलबे से आग लगी जिसे तुरंत बुझा दिया गया। रूस और यूक्रेन के टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया कि हमले का लक्ष्य एक स्थानीय ताप विद्युत संयंत्र था। स्थानीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने बताया कि शनिवार देर रात हुए एक मिसाइल हमले से बेलगोरोड शहर की बिजली आपूर्ति और हीटिंग सिस्टम को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि लगभग 20,000 घर प्रभावित हुए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि उसकी सेनाओं ने शनिवार रात के दौरान दो दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों, ब्रांस्क और रोस्तोव, के ऊपर से उड़ान भर रहे यूक्रेन के 44 ड्रोन को नष्ट कर दिया या उन्हें निष्क्रिय कर दिया गया।

पाकिस्तान में 27वें संविधान संशोधन के खिलाफ विपक्ष ने देशव्यापी प्रदर्शन की घोषणा की

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान की संसद प्रस्तावित 27वें संविधान संशोधन को पारित करने की तैयारी कर रही है, वहीं विपक्ष ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि यह संविधान की नींव हिला देगा। विपक्ष ने इसके खिलाफ रविवार से देशव्यापी प्रदर्शन की घोषणा की है। संशोधन में अनुच्छेद 243 में परिवर्तन का प्रस्ताव है, जिसके तहत चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीजेसीएससी) के पद को समाप्त कर चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज नामक नया पद शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया है। अन्य प्रस्तावों में संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में संशोधन शामिल है।

इसका उद्देश्य उच्चतम न्यायालय की शक्तियों को कम करना भी है, जिसमें कुछ प्राधिकारों को प्रस्तावित संवैधानिक न्यायालय में स्थानांतरित करना तथा राष्ट्रपति को आजीवन आपराधिक कार्यवाही से मुक्ति प्रदान करना शामिल है। कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने शनिवार को ऊपरी सदन सीनेट में संशोधन पेश किया और सभापति यूसुफ रजा गिलानी ने इसे मतदान से पहले चर्चा के लिए सदन की समिति के पास भेज दिया। समिति के अध्यक्ष फारूक नाइक ने मीडिया को बताया कि वे सदस्यों के बीच आम सहमति बनाकर कार्य पूरा करेंगे। सरकार को आशा है कि सोमवार को मतदान होने पर उसे कम से कम 64 सीनेटर का दो-तिहाई बहुमत मिल जाएगा। सीनेट के बाद, इसे नेशनल असेंबली में पेश किया जाएगा, जहां इसे फिर से दो-तिहाई बहुमत से पारित होना होगा। अंतिम चरण में, इसे कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी मिलनी जरूरी होगी। बहुदलीय विपक्षी गठबंधन तहरीक-ए-तहाफुज आईन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) ने संशोधन के खिलाफ देशव्यापी विरोध आंदोलन की घोषणा की है। मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) के प्रमुख अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान में लोकतांत्रिक संस्थाएं पंगु हो गई हैं...राष्ट्र को (प्रस्तावित) 27वें संशोधन के खिलाफ कदम उठाना चाहिए। एमडब्ल्यूएम, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के साथ टीटीएपी का हिस्सा है। इस गठबंधन में पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी), बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी-एम) और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) भी शामिल हैं।

पाकिस्तान रेलवे ने बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस का परिचालन बारह नवंबर तक स्थगित किया

कराची, भाषा। पाकिस्तान रेलवे ने बलूचिस्तान में सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर क्वेटा और पेशावर के बीच जाफर एक्सप्रेस की सेवाओं को रविवार से चार दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। कुछ महीने पहले इस ट्रेन पर हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि 9 से 12 नवंबर तक इस रेलगाड़ी की सेवा निलंबत करने का अस्थाई फैसला सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की सलाह पर एहतियातन लिया गया, ताकि यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों, नागरिकों और महत्वपूर्ण रेल संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस कदम से हजारों यात्री प्रभावित होंगे, जो दोनों शहरों के बीच परिवहन के सबसे किफायती साधन के रूप में जाफर एक्सप्रेस पर निर्भर हैं। हाल के महीनों में जाफर एक्सप्रेस को विद्रोहियों और उग्रवादियों द्वारा बार-बार निशाना बनाया गया है, जिसमें मार्च में हुआ सबसे भीषण हमला शामिल है। मार्च में, प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 380 यात्रियों से भरी जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया था। यह गतिरोध दो दिनों तक बना रहा और सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 26 यात्रियों की जान चली गई थी और 33 अन्य विद्रोही मारे गए थे।

आपदा : फिलीपीन पर कहर बरपाने को तैयार फुंग-वोंग नाम का एक और तूफान

कालमेगी पहले ही मचा रहा तबाही

» मनीला, भाषा।

फिलीपीन में इस साल के सबसे बड़े तूफान फुंग-वोंग ने तट से टकराने से पहले ही रविवार को देश के उत्तर-पूर्वी हिस्सों पर अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है, जिसकी वजह से बिजली आपूर्ति ठप हो गई है और हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। फुंग-वोंग फिलीपीन के निकटवर्ती प्रशांत महासागर क्षेत्र में पहुंच चुका है। फिलीपीन पहले ही कालमेगी तूफान के प्रभावों से जूझ रहा है, जिसकी वजह से कम से कम 204 लोगों की मौत हो चुकी है। कालमेगी अब वियतनाम पहुंच चुका है, जहां कम से कम पांच लोगों ने जान गंवा दी है। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस जूनियर ने कालमेगी से हुए भारी नुकसान और फुंग-वोंग के कारण होने वाले संभावित नुकसान को देखते हुए आपातकाल घोषित कर दिया है।

फुंग-वोंग के साथ 185 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार के साथ हवाएं चल रही हैं, जो और तेज होकर 230 किलोमीटर प्रतिघंटा तक पहुंच सकती हैं। यह फिलहाल कैटेनडुआनिस प्रांत के विराक कस्बे से लगभग 125 किलोमीटर दूर स्थित है।

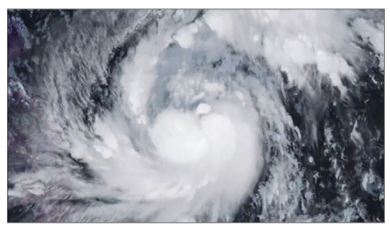

प्रांत में इसके प्रभाव महसूस किए जाने लगे हैं। सरकारी पूर्वानुमानकर्ताओं के अनुसार तूफान के रविवार देर रात या सोमवार तड़के इसाबेला प्रांत के तट से टकराने का अनुमान है। नागरिक सुरक्षा कार्यालय के बर्नार्डो राफेलिटो एलेजांद्रो ने बताया कि फुंग-वोंग के प्रभाव के चलते कई पूर्वी कस्बों और गांवों की बिजली गुल हो गई। देश के पूर्वोत्तर तटीय क्षेत्र बिकोल के उच्च जोखिम वाले गांवों से लगभग 50,000 परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। खतरे वाले प्रांतों में कई घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गई, तथा कम से कम 86 बंदरगाहों में 6,600 से अधिक यात्री और मालवाहक कर्मचारी फंस गए। तट रक्षक ने जहाजों को समुद्र में न ले जाने की सलाह दी है।

जापान के तट पर शक्तिशाली भूकंप आया, सुनामी की चेतावनी जारी

तोक्यो, भाषा। उत्तरी जापान के तट पर रविवार को शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने यह जानकारी दी। जेएमए ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई और भूकंप का केंद्र इवाते प्रांत के तट पर समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में स्थित दोनों परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के किसी तरह के नुकसान या किसी असामान्य घटना की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है। एजेंसी ने उत्तरी तटीय क्षेत्र में समुद्र में एक मीटर तक सुनामी की लहरें उठने की चेतावनी जारी की है। सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने सुनामी के खतरे के कारण लोगों को तटीय क्षेत्रों से दूर रहने की चेतावनी दी है। उसके मुताबिक क्षेत्र में और अधिक भूकंप आ सकते हैं। एनएचके ने बताया कि इवाते प्रांत के ओफुनाटो शहर और ओमिनाटो बंदरगाह पर लगभग 10 सेंटीमीटर की सुनामी की सूचना है।

अमेरिका में शटडाउन का असर : विमानन कंपनियों ने लगातार दूसरे दिन1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कीं

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिकी विमानन कंपनियों ने मुख्यतः शटडाउन (सरकारी कामकाज के लिए वित्तपोषण की कमी) के कारण लगातार दूसरे दिन शनिवार को फिर से1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि अगर इसी तरह उड़ानें रद्द होती रहीं तो इसका असर व्यापक होगा। उत्तरी कैरोलाइना के चार्लोट हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह सबसे अधिक असर पड़ा और वहां दोपहर तक 130 उड़ानें रद्द कर दी गई। अटलांटा, शिकागो, डेनवर और न्यूजर्सी के नेवार्क हवाई अड्डों पर भी व्यवधान देखा गया। रडार केंद्रों और नियंत्रण टावरों में कर्मचारियों की लगातार कमी के कारण शनिवार को न्यूयॉर्क शहर के आसपास के कई पूर्वी तट हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द और विलंबित हो गईं। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने संघीय शटडाउन के बीच देशभर में उड़ानों को कम करने का आदेश दिया है। हालांकि सभी उड़ानों के रद्द होने का कारण एफएए का आदेश नहीं है। रद्द हुई उड़ानों की संख्या देश भर में कुल उड़ानों का एक छोटा सा हिस्सा है लेकिन अगर शटडाउन जारी रहा तो आने वाले दिनों में इनकी संख्या में वृद्धि होना तय है। शटडाउन के कारण घरेलू गतिविधियां तो ठप हो ही रही हैं और अब समुद्र के पार यूरोप के अन्य देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर काम करने वाले स्थानीय कर्मचारियों को भी इसका असर महसूस होने लगा है। यूरोप में विदेशी अड्डों पर काम करने वाले हजारों लोगों को लगभग छह सप्ताह पहले शटडाउन शुरू होने के बाद से वेतन नहीं मिल रहा है। कुछ मामलों में, उन देशों ने बिल चुकाए हैं जहां अमेरिकी सैन्य अड्डे हैं। उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका अंततः इसकी भरपाई कर देगा।

13 नवंबर से पहले राजधानी में हिंसा या अशांति की किसी भी संभावित घटना को रोकना...

बांग्लादेश पुलिस ने ढाका में अशांति की आशंका के बीच अभ्यास किया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश पुलिस ने देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के 13 नवंबर को होने वाले ढाका लॉकडाउन कार्यक्रम से पहले राजधानी में प्रमुख स्थानों पर बड़े पैमाने पर समन्वित सुरक्षा अभ्यास किया है। कई अखबारों ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के सूत्रों के हवाले से बताया कि अगले हफ्ते संभावित हिंसक विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए शनिवार को लगभग 7,000 पुलिसकर्मियों ने अंतरिम सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस के आवास समेत 142 स्थानों पर अभ्यास किया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ढाका में पुलिस की मौजूदगी बढ़ गई है जिससे 13 नवंबर को कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजधानी के निवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। अवामी लीग के अध्यक्ष मंडल के सदस्य जहांगीर कबीर नानोक ने 13 नवंबर के लिए लॉकडाउन जैसे विरोध कार्यक्रम की घोषणा की है। नानोक इस समय भारत में हैं। पुलिस ने हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं की है कि मौजूदा तैनाती उनकी घोषणा से जुड़ी है या नहीं। बांग्लादेश का अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) मानवता के विरुद्ध कथित अपराधों के आरोपों में हसीना के खिलाफ फैसला सुनाने की तारीख की घोषणा करने वाला है। डीएमपी ने इस तैनाती को अपने नियमित सुरक्षा अभ्यास का हिस्सा बताया। राजधानी के प्रमुख चौराहों पर स्टील हेलमेट सहित दंगा रोधी परिधान पहने बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी देखे गए। डीएमपी प्रवक्ता मुहम्मद तालेबुर रहमान ने संवाददाताओं से कहा, हमारी नियमित अभियानगत गतिविधियों में किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारी सुनिश्चित करने के वास्ते त्वरित प्रतिक्रिया अभ्यास शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार के अभ्यास में विभिन्न रैंक के अधिकारियों ने भाग लिया। डीएमपी के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य न केवल पुलिस के समन्वय और तत्परता का परीक्षण करना है बल्कि 13 नवंबर से पहले राजधानी में हिंसा या अशांति की किसी भी संभावित घटना को रोकना भी है। पुलिस अभ्यास से तीन दिन पहले सेना ने अपने लगभग 60,000 सैनिकों में से आधे सैनिकों को वापस बुला लिया था। सेना पिछले 15 महीने से पुलिस ड्यूटी पर थी। सेना ने कहा कि सैनिकों को आराम और प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उसने हालांकि फरवरी में होने वाले चुनाव में अतिरिक्त बलों की पुनः तैनाती के साथ अपना पूर्ण समर्थन देने का वादा किया। छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन ने पांच अगस्त, 2024 को हसीना को सत्ता से बाहर कर दिया था जिसके बाद उन्होंने भारत में शरण ली। उनकी पार्टी और सरकार के अधिकतर नेताओं को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया या वे देश से बाहर चले गए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,